email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:165 कटक शुक्रवार 18 नवंबर 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

दिल्ली के ठग्स, केजरीवाल समेत आप के 6 नेताओं पर बीजेपी का पोस्टर वार

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव (एमसीडी इलेक्शन) नजदीक आते भी भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेताओं पर हमले तेज कर दिए हैं। भाजपा पोस्टर वार के जरिए आप नेताओं पर कड़े और तीखे हमले कर रही है।

दिल्ली भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर गुरुवार को एक बार फिर एक नया पोस्टर शेयर कर आम आदमी पार्टी के नेताओं को दिल्ली के ठग कहकर घेरा है। इसके पोस्टर के कैप्शन में लिखा गया है रील लाइफ से रियल लाइफ तक... धन्यवाद आप हमें याद दिलाने के लिए!

एक पुरानी फिल्म के पोस्टर की तर्ज पर बनाए गए इस पोस्टर में अरविंद केजरीवाल को जहां महाठग तो वहीं मनीष सिसोदिया, अमानतुल्लाह खान, सत्येंद्र जैन, दुर्गेश पाठक, कैलाश गहलोत को दिल्ली के ठग बताया गया है।

यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी दिल्ली भाजपा लगातार ऐसे पोस्टर जारी करती रही है। बीते दिनों भाजपा ने

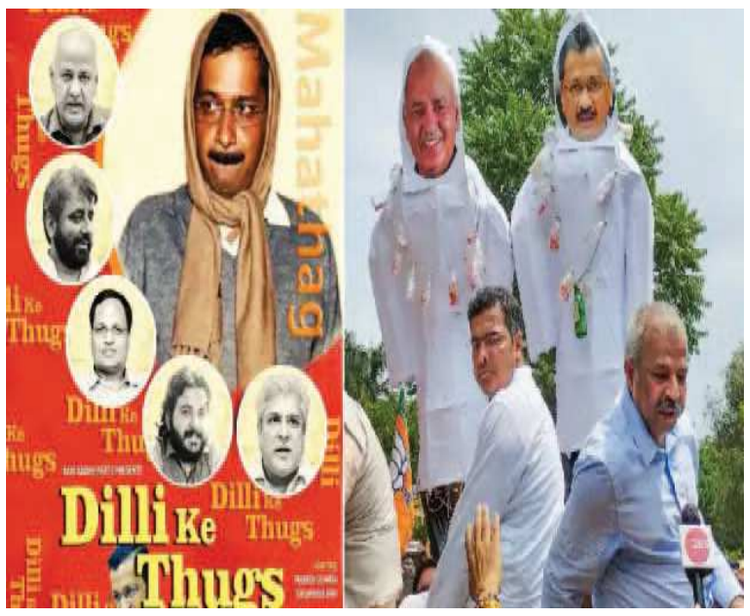

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का एक पोस्टर जारी करते हुए उन्हें लुटेरा बताया था।

बता दें कि, साल 1958 में डायरेक्टर एसडी नारंग फिल्म दिल्ली का ठग नाम से एक हिंदी फिल्म बनाई थी। इस कॉमेडी फिल्म में अभिनेता किशोर कुमार, नूतन, मदन पुरी और इफ्तेखार मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में किशोर कुमार ने एक ठग का रोल किया था।

पुरानी फिल्म के पोस्टर की तर्ज पर बनाए गए इस पोस्टर में अरविंद केजरीवाल को जहां 'महाठग' तो वहीं मनीष सिसोदिया, अमानतुल्लाह खान, सत्येंद्र जैन, दुर्गेश पाठक, कैलाश गहलोत को दिल्ली के ठग बताया गया है।

गौरतलब है कि दिल्ली नगर निगम की 250 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए चार दिसंबर को मतदान होगा। सात दिसंबर को मतगणना होगी। साल 2017 के निकाय चुनावों में भाजपा ने 270 में से 181 वार्ड में जीत हासिल की थी। प्रत्याशियों के निधन के कारण दो सीटों पर मतदान नहीं हो सका था। आप ने 48 वार्ड में जीत हासिल की थी जबकि कांग्रेस को 27 वार्ड पर जीत मिली थी।

डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को बुधवार को नोटिस जारी कर पुलिस थानों और पुलिस चौकियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की स्थिति की जानकारी मांगी है। मालीवाल के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय ने 2020 में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि देश के हर पुलिस स्टेशन में नाइट विजन और ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। पुलिस के कामकाज में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय द्वारा यह निर्देश दिया गया था। दिल्ली के पुलिस थानों और पुलिस चौकियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की स्थिति का पता लगाने के लिए मालीवाल ने सभी जिलों के पुलिस उपायुक्त को नोटिस जारी किया है। डीसीडब्ल्यू ने प्रत्येक थाने और पुलिस चौकी में कमरों की संख्या के साथ सीसीटीवी लगाने की संख्या के संबंध में जानकारी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने ऑडियो रिकॉर्डिंग और नाइट विजन की सुविधा वाले सीसीटीवी कैमरों की संख्या का ब्योरा मांगा है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं, पुलिस स्टेशन के मुख्य द्वार, सभी लॉक-अप, सभी कॉरिडोर, लॉबी / स्वागत क्षेत्र, सभी बरामदे / आउटहाउस, इंस्पेक्टर का कमरा, सब इंस्पेक्टर का कमरा, लॉक-अप रूम के बाहर का क्षेत्र; स्टेशन हॉल; थाना परिसर के सामने; वाशरूम/शौचालय के बाहर (अंदर नहीं) ; ड्यूटी अधिकारी का कमरा; पुलिस थाने का पिछला हिस्सा इन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। डीसीडब्ल्यू ने यह पता लगाने का प्रयास किया है कि क्या ये सभी स्थान दिल्ली के सभी पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी में कवर हो जाते हो जाते हैं या नहीं? यदि कैमरे नहीं हैं, तो डीसीडब्ल्यू ने कैमरे लगाने की समयरेखा मांगी है।

जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर प्रधानमंत्री स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बाली में संपन्न जी -20 शिखर सम्मेलन में भारत की धाक जमाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत लौट आए। बुधवार रात प्रधानमंत्री मोदी विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे। जी20 शिखर सम्मेलन की अगली बैठक 2023 में दिल्ली में होगी और भारत को इस समूह अध्यक्षता मिल गई है लेकिन 1 दिसंबर को वह आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लेगा। जी20 सम्मेलन में के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे पर दुनियाभर के कई बड़े नेताओं से मुलाकात की। यूक्रेन और रूस के युद्ध के बीच इस सम्मेलन को मोदी ने अपनी सूझबूझ से भारत का पक्ष रखा। मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए 'संघर्ष विराम और कूटनीति' के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया। उन्होंने ने खुलेतौर पर ऊर्जा आपूर्ति पर किसी तरह की पाबंदी का विरोध किया। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने विश्व के कई प्रमुख नेताओं से द्विपक्षीय वार्ता भी की। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के समापन पर जी20 शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध को तत्काल खत्म करने का आह्वान करते हुए कहा कि ÷आज का युग, युद्ध का युग नहीं होना चाहिए।

जितना बुरा उसने मेरी बेटी के साथ किया उतनी ही बुरी सजा उसे मिलनी चाहिए...श्रद्धा के पिता का छलका दर्द

नई दिल्ली। मुंबई से दिल्ली लेकर आया अपनी गर्लफ्रेंड के 35 टुकड़े करने वाला दरिंदा आरोपी आफताब को लेकर मृतक पीड़िता श्रद्धा वालकर के पिता ने अहम खुलासे किए है। बता दें कि मर्डर केस में जहां पुलिस की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है वहीं पुलिस को पूछताछ में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने बताया कि 18 मई, यानी मर्डर वाले दिन श्रद्धा और उसके बीच घरेलू खर्च को लेकर झगड़ा हुआ था। वहीं, पुलिस की अब तक की जांच से श्रद्धा वालकर के पिता विकास वालकर संतुष्ट हैं। उन्होंने एक न्यूज चैनल से बातचीत में बताया कि उनकी 2021 से श्रद्धा से बात नहीं हो रही थी। बेटी को मैने उस लड़के के साथ जाने से रोका था लेकिन वह नहीं मानी जब मेरी बैत हुई तो मैनें बेटी से सवाल पूछे थे कि कैसी है तू? क्या कर रही है और कहां रहती है? इससे वह गुस्सा हो गई थी। उसने बताया कि वो आफताब के साथ रहती है। मेरे गुस्सा करने पर बातचीत बंद हो गई। 2020 में जब कोरोना से

मेरी पत्नी की मौत हो गई तो उस दौरान मेरी आफताब से मुलाकात हुई थी। उसे देखकर मैंने कह दिया था कि मुझे यह लड़का बिल्कुल पसंद नहीं है, मैंने बेटी से कहा था, %मैं अच्छे घर में, अपनी बिरादरी में तुम्हारी शादी करूंगा। इसके बाद से श्रद्धा ने बात करना बंद कर दिया था। श्रद्धा के पिता विकास वालकर ने बताया कि मुझे शुरू से ही लड़का पसंद नहीं था। श्रद्धा को समझाया भी था कि वह इससे दूर रहे, मगर बेटी हमसे ही दूर हो गई। पिता ने बताया कि श्रद्धा से हमारी बात नहीं होती थी, लेकिन उसके दोस्तों के ज़रिये मुझे श्रद्धा का हालचाल मिलता रहता था। पिता ने बताया कि श्रद्धा का दोस्त लक्ष्मण नाडर ही उसकी खबर लेता था और मुझे पता चलता था। उसने जब मेरे बेटी को 14 अगस्त को कॉल किया था तो श्रद्धा का मोबाइल बंद आ रहा था। श्रद्धा के पिता ने कहा कि आफताब ने मेरी बेटी के साथ बहुत गलत किया है। मैं चाहता हूं कि जितना बुरा उसने किया है, उतनी ही बुरी सजा उसे मिलनी चाहिए।

जेडीयू संगठन का चुनाव शुरू होते ही बवाल, तोड़फोड़ और विवाद के बाद कई जगहों पर इलेक्शन रद्द

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू में संगठनात्मक चुनाव शुरू होते ही बवाल मचना शुरू हो गया है। मुंगेर और मधेपुरा में जिलों में कई जगहों पर विवाद के बाद चुनाव रद्द कर दिए गए हैं। मुंगेर में जेडीयू कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ कर उत्पात मचाया, तो मधेपुरा में प्रखंड अध्यक्ष उम्मीदवारों के समर्थकों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। हालांकि, अन्य जगहों पर शांतिपूर्ण चुनाव हो गए हैं। करीब 80 फीसदी प्रखंडों में जेडीयू के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। गुरुवार को भी 115 प्रखंडों में जेडीयू पदाधिकारियों के चुनाव होंगे। जेडीयू ने बिहार के 500 सांगठनिक प्रखंडों में बुधवार को पहले दिन चुनाव कराए। इनमें 80 फीसदी जगहों पर उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। हालांकि 20 फीसदी प्रखंडों में वोटिंग की नौबत आई। वहीं, मुंगेर जिले में कई जगहों पर जेडीयू की गुटबाजी और कार्यकर्ताओं का विरोध खुलकर सामने आया। इसके चलते 5 प्रखंडों और मुंगेर नगर में चुनाव स्थगित करने पड़े। जेडीयू के मुंगेर जिलाध्यक्ष संतोष साहनी ने बताया कि खड़गपुर नगर और जमालपुर नगर में नगर

अध्यक्ष तथा असरगंज, तारापुर, संग्रामपुर और टेटिया बंबर में प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। जबकि खड़गपुर, धरहरा, जमालपुर, बरियारपुर और सदर प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष तथा मुंगेर नगर में नगर अध्यक्ष का चुनाव कार्यकर्ताओं के विरोध और विधि व्यवस्था के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है।

जेडीयू कार्यकर्ताओं ने सरकारी गेस्ट हाउस में की तोड़फोड़-हवेली खड़गपुर में जेडीयू के संगठनात्मक चुनाव खड़गपुर झील पर कराए जाने को लेकर आपसी सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवारों और उनके समर्थकों ने जमकर बवाल काटा। जेडीयू कार्यकर्ताओं ने इस दौरान खड़गपुर झील स्थित आईबी के सरकारी गेस्ट हाउस के सभाकक्ष में तोड़फोड़ कर दी। दरवाजों और खिड़कियों में लगे शीशों पर संभावित अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के समर्थकों ने अपना गुस्सा निकाला। बरियारपुर में जेडीयू प्रखंड अध्यक्ष के सांगठनिक चुनाव में एक उम्मीदवार देरी से नामांकन करने पहुंचा। जब चुनाव पर्यवेक्षक ने नामांकन का समय खत्म होने की बात कही तो विवाद शुरू हो गया। माहौल तनावपूर्ण होने के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया।

धुंध की मोटी चादर में लिपटी दिखाई दी दिल्ली

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की हवा में अभी भी सुधान नहीं हुआ है। अब भी दमघोंटू हवा बनी हुई है जिससे लोगों को सांस लेने में काफी दिक्कत हो रही है। दिल्ली में लगातार चौथे दिन वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार की सुबह राष्ट्रीय राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 249 दर्ज किया गया जिससे दिल्ली में आज सुबह धुंध की परत छाई रही और विजिबिलिटी भी कम रही। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में घना कोहरा छाया रहा और धुंध की मोटी चादर में राजधानी दिल्ली लिपटी दिखी। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत

खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में बुधवार को एक्यूआई 264 दर्ज किया गया, जो मंगलवार को 227 था. सोमवार को एक्यूआई 294 और रविवार को 303 दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने का अनुमान है।

नेपाल में चुनाव को लेकर 17 से 20 नवम्बर की मध्य रात्रि तक इंडो-नेपाल बार्डर सील रहेगा

मोतिहारी। आगामी 20 नवम्बर को नेपाल में होने वाले संघीय व प्रदेश चुनाव को लेकर बिहार-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आर्म्स, जाली नोट, ड्रग्स नारकोटिक्स, शराब तस्करी के साथ ही आपराधिक-असामाजिक तत्वों की घुसपैठ रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। खुली सीमा से आने-जाने वाले लोगों व वाहनों की जांच व निगरानी तेज कर दी गई है। नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स व नेपाल पुलिस की डॉग स्क्वॉयड की टीमें भी जांच में सक्रिय है।

रक्सौल वीरगंज के बीच स्थित शंकराचार्य गेट, भारतीय व नेपाली कस्टम एरिया, मैत्री पुल, छोटी सिरिसिया सहित विभिन्न जगहों पर निरन्तर पैदल लोगों के अलावा दो पहिया, चार पहिया, रिक्शा, ई-

रिक्शा, टेम्पू, तांगा आदि की सघन जांच की जा रही है। बॉर्डर पर भारत और नेपाल दोनों ओर संयुक्त रूप से चौकसी की जा रही है। संदिग्ध लोगों के सामान के साथ पहचान पत्र की जांच की जा रही है।

उक्त आशय की जानकारी वीरगंज (पर्सा) के एसपी रमेश कुमार बस्नेत व डीएम उमेश ढकाल ने देते हुए बताया कि बॉर्डर पर अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुख्य मार्गों के साथ ग्रामीण रास्तों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग प्वाइंट भी बनाये गए हैं। बताया गया कि बॉर्डर पर दोनों ओर एपीएफ व एसएसबी मुस्तैद है।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों रक्सौल व बीरगंज में सीमा क्षेत्र के उच्चाधिकारियों की मीटिंग के बाद यह सक्रियता बढ़ाई गई है। अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीमा पार नेपाल के पर्सा और बारा जिला में बॉर्डर से लगे मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील घोषित कर दिया गया है। इसे लेकर नेपाल पुलिस, नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स, मियादी पुलिस समेत कुल 3300 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

नेपाल गृह मंत्रालय के प्रवक्ता फनीन्द्रमणि पोखरेल व नेपाल चुनाव आयोग के आयुक्त दिनेश कुमार थपलियाल ने शांतिपूर्ण चुनाव कराने को लेकर कई आवश्यक निर्देश जारी किया है। साथ ही भारत से भी सीमा क्षेत्र में सतर्कता बरतने का आग्रह किया गया है।

शराब घोटाले में सिसोदिया का 'करीबी' कारोबारी बन गया सरकारी गवाह, राज खोलने के बदले सजा से छूट

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में अदालत ने दिनेश अरोड़ा को सरकारी गवाह बनाने की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने इस संबंध में अरोड़ा और सीबीआई की याचिका को मंजूर कर लिया है। मामले में आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह प्रकरण में स्वेच्छा से खुलासा करने को तैयार है और सरकारी गवाह बनना चाहता है। अरोड़ा को सरकारी गवाह बनते ही अदालत ने क्षमादान भी दे दिया है। अब अरोड़ा को इस मामले में सजा नहीं होगी। अरोड़ा की ओर से सरकारी गवाह बनने संबंधी याचिका में क्षमादान की मांग की गई थी। अरोड़ा को मनीष सिसोदिया का करीबी बताया जाता है।

जांच में पूरा सहयोग किया- दिनेश अरोड़ा ने यह भी कहा कि सीबीआई द्वारा इस मामले की जांच में उन्होंने पूरा सहयोग किया है और जांच अधिकारी के सामने सही बयान दिया है। अरोड़ा का कहना था कि कथित अपराधों को करने से संबंधित तथ्यों और घटनाओं के संबंध वह अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष इकबालिया बयान भी दिया है।

सर्कुलर जारी किया था-केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस साल

अगस्त में कथित आबकारी नीति घोटाले में एक मामला दर्ज कर आरोपी के रूप में नामित आठ निजी व्यक्तियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

आरोपियों में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, तत्कालीन आबकारी आयुक्त अरवा गोपी कृष्णा, उपायुक्त आनंद तिवारी और सहायक आयुक्त पंकज भटनागर शामिल हैं। इसके अलावा पर्नोड रिकॉर्ड के पूर्व कर्मचारी मनोज राय, ब्रिंडको सेल्स के निदेशक अमनदीप ढल, इंडोस्पिरिट ग्रुप के प्रबंध निदेशक समीर महेंद्रू, बडी रिटेल और उसके निदेशक अमित अरोड़ा, दिनेश अरोड़ा, महादेव लिकर्स, इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सनी मारवाह और अर्जुन पांडे भी आरोपी हैं।

शादीशुदा प्रेमिका से मिलने रात में पहुंचा था प्रेमी, अगली सुबह मिली उसकी लाश; जाने पूरा मामला

सीबीआई दोबारा दर्ज कराएगी बयान

कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में आरोपी दिनेश अरोड़ा के सरकारी गवाह बनने को मंजूरी मिलने के बाद अब सीबीआई उसका बयान अभियोजन पक्ष की तरफ से मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज करा सकती है। इससे पहले सीबीआई अपने स्तर पर भी अरोड़ा से पूछताछ करेगी। इस पूछताछ में सामने आए तथ्यों को रिकॉर्ड पर लेने के लिए मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष कार्यवाही को आगे बढ़ाएगी।

अदालत ने पूछा, किसी तरह का दबाव तो नहीं

जानकारी के अनुसार, पिछली सुनवाई पर अदालत ने इन कैमरा प्रोसिडिंग के तहत अरोड़ा से पूछा था कि उस पर किसी तरह का दबाव तो नहीं बनाया जा रहा। इस पर अरोड़ा ने खुद सच का खुलासा करने की बात अदालत के समक्ष कही। हालांकि, अरोड़ा को पहले ही मामले में अग्रिम जमानत मिल चुकी है। सीबीआई ने उस समय कहा था कि उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है, अगर आरोपी दिनेश अरोड़ा को जमानत दी जाती है।

संपादकीय

अरुणाचल में रात में एक बार

तीन दशकों से अधिक समय से लोअर अरुणाचल की यादें। गुवाहाटी से ४०० किमी की लंबी बस यात्रा में ईटानगर पहुंचने से ठीक पहले निर्जुली गिरती है। डिक्रोंग नदी को नाव से पार करने के बाद, हमें रिक्शे में दोईमुक नामक एक बहुत छोटे शहर से होते हुए गुमजो गाँव जाना था। वह रेन हिल्स की तलहटी थी। हिलटॉप पर अरुणाचल विश्वविद्यालय; आखिरी के दो किलोमीटर पैदल ही तय करना पड़ता है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार होता है, तो विश्वविद्यालय की बस डिक्रांग नदी के मुहाने तक पहुँच जाती है। अंतिम दो किमी. मुझे अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ा। एक बार भी योजना काम नहीं आई। शाम को आठ बजे (अरुणाचल में सर्दियों का दिन, अंधेरी रात होती है) गुमजो गांव का एक आदमी बैग घर पर छोड़कर यूनिवर्सिटी की ओर चलने लगा।

'हम' के साथ मेरी पत्नी और हमारा आठ-दस महीने का बच्चा था। आधी सड़क पार करने के बाद, एक स्थानीय व्यक्ति अचानक जंगल से बाहर आया और कहा - 'काटी डिम' (मैं तुम्हें मार डालूंगा!) उसके हाथ में एक बड़ा 'दाओ', उड़िया में तलवार है। दाव एक ऐसा हथियार है, जिसका इस्तेमाल पेड़ों को काटने से लेकर जंगलों में जंगली जानवरों के शिकार तक के लिए किया जाता है। आदमी की बातों का कोई मतलब नहीं है। इस बीच, उसने पहले ही मेरी गर्दन पर दांव लगा दिया। वह जो कहता है वह समझता है। तब तक मेरे तीन साल अरुणाचल में रहे। उस विनम्र भावना के आधार पर मैं जानता हूं कि असमिया भाषा और अरुणाचली आदमी की नीयत लूटपाट नहीं है।

मैंने कहा, ठककाई, मैं मोय विश्वविद्यालय से हूँ।ठ की हाल?'' (भाई, मैं यूनिवर्सिटी से हूं। क्या हुआ?) मुझसे बात करते हुए, उस आदमी ने मुझसे बार-बार पूछा, ''क्या तुम भूत हो?'' माफी मांगो। आपके साथ 'बैदेव' (बहनें) हैं। मैंने आधा सोचा था कि तुम एक भूत थे! मैं कितनी बड़ी गलती करने जा रहा था! अगर मैं तुम्हें अभी मार दूं तो क्या होगा? यह कितना बड़ा अपराध न होता?'' अरुणाचल की संस्कृति में नेहुरा होने की कोई परंपरा नहीं है। लेकिन उस आदमी का गुनाह उससे कहीं ज्यादा था! इसके लिए किसी न्यायालय कक्ष में दण्डित होने का भय नहीं था। स्थानीय आदिवासियों ने कहा। उनकी अनैच्छिक हत्या का डर। आदिवासी समाज में भूतों पर विश्वास। हालाँकि, भूत भगाने में किसी भी स्त्री-हत्या का स्थान नहीं हो सकता था। लंबी यात्रा से थके हुए, हम पति-पत्नी अपोस की सुरक्षा के लिए अंधेरी सड़क पर चुपचाप चले; और मेरे कंधे पर बच्चा। शायद उस आदमी ने सोचा, यह कोई बहुत बड़ा जीव है, कोई भूत!

हालाँकि, लगभग एक दशक तक अरुणाचल में मेरा प्रवास विशेष रूप से भयभीत करने वाला नहीं था; वह अपने मित्रों के उपहास का पात्र था। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर आपके साथ कोई महिला है, तो आप सुरक्षित महसूस करेंगे! फिर अरुणाचल ही क्यों, पूरा उत्तर-पूर्व अराजकता में है। रात को घर से निकलना असुरक्षा में धकेले जाने जैसा है। अराजकतावादी समूह का अधिकार कहाँ है और अराजकतावादी व्यक्ति या समूह को गिरफ्तार करने के लिए नियोजित पुलिस-सेना का अधिकार कहाँ है। लेकिन हर जगह और हर स्थिति में आम लोग ही जाल में फंसते हैं। पुलिस-सेना को संदेह है कि 'आम लोग' अराजकतावादी समूहों के पूछताछकर्ता हैं और अराजकतावादी समूहों को संदेह है कि 'आम लोग' पुलिस-सेना के जासूस हैं। माओवाद-प्रवण क्षेत्र का अनुभव रखने वाले ओडिशा के हमारे लोगों को 'आम लोगों' की दुर्दशा को समझने से नहीं चूकना चाहिए।

बढ़ती आबादी के खतरे भी कम नहीं

योगेश कुमार गोयल

यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) के मुताबिक दुनिया की आबादी आठ अरब हो गई है, जिसे सात से आठ अरब होने में केवल १२ वर्ष का समय लगा है। जबकि दुनिया की आबादी को १ से २ अरब होने में १०० साल से भी ज्यादा लगे थे। हालांकि दुनिया की आबादी तेजी से बढ़ने को संयुक्त राष्ट्र मानवता की उपलब्धियों के प्रमाण के रूप में देख रहा है और यह सही भी है कि इसमें सबसे बड़ा योगदान शिक्षा तक पहुंच का विस्तार, स्वास्थ्य देखभाल में प्रगति, लैंगिक असमानता में कमी इत्यादि कारकों का है लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों के लिए बढ़ती आबादी के खतरे भी कम नहीं हैं।

यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आबादी एक अरब बढ़ने में भारत की हिस्सेदारी १७.७ करोड़ और चीन की ७.३ करोड़ रही यानी आबादी के बढ़ते ग्राफ के मामले में भारत चीन से बहुत निकल गया है तथा अगले साल तक भारत की आबादी चीन से भी ज्यादा हो जाएगी यानी भारत दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। विश्व की कुल आबादी में से करीब १८ फीसदी लोग अब भारत में रहते हैं और दुनिया के हर ६ नागरिकों में से एक से ज्यादा भारतीय है। अगर भारत में जनसंख्या की सघनता का स्वरूप देखें तो जहां १९९१ में देश में जनसंख्या की सघनता ७७ व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर थी, १९९१ में बढ़कर वह २६७ और २०११ में ३८२ व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गई।

भारत में बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरों को इसी से बखूबी समझा जा सकता है कि दुनिया की कुल आबादी का करीब छठा हिस्सा विश्व के महज ढाई फीसदी भूभाग पर रहने को अभिशप्त है। जाहिर है कि किसी भी देश की जनसंख्या तेज गति से बढ़ेगी तो वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी उसी के अनुरूप बढ़ता जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो आज दुनियाभर में करीब एक अरब लोग भुखमरी के शिकार हैं और अगर वैश्विक आबादी बढ़ती रही तो भुखमरी की समस्या बहुत बड़ी वैश्विक समस्या बन जाएगी, जिससे निपटना इतना आसान नहीं होगा। बढ़ती आबादी के कारण ही दुनियाभर में तेल, प्राकृतिक गैसों, कोयला इत्यादि ऊर्जा के संसाधनों पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। जिस अनुपात में भारत में आबादी बढ़ रही है, उस अनुपात में उसके लिए भोजन, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।

इस समय चीन की आबादी दुनिया में सर्वाधिक १.४२६ अरब है और उसके बाद भारत की आबादी १.४१२ अरब है। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि २०५० तक भारत की आबादी १.६६८ अरब हो जाएगी जबकि चीन की आबादी उस समय १.३१७ अरब रहने का अनुमान है। हालांकि हम इस बात पर थोड़ा संतोष व्यक्त कर सकते हैं कि जनसंख्या वृद्धि दर के वर्तमान आंकड़ों की देश की आजादी के बाद के शुरुआती दो दशकों से तुलना करें तो १९७० के दशक से जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर गिरावट दर्ज की गई है लेकिन यह गिरावट दर काफी धीमी रही है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हुई है। वर्ष १९७१-८१ के मध्य वार्षिक वृद्धि दर २.५ प्रतिशत थी, जो २०११-१६ में घटकर १.३ प्रतिशत रह गई। जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार को नियंत्रित रखने के लिए औसत प्रजनन दर २.१ होनी चाहिए और कुछ समय पूर्व राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला था कि देश में यह दर २.२ से घटकर २ हो गई है तथा राहत की बात यह भी है कि मुस्लिम समुदाय में भी औसत प्रजनन दर तेज गिरावट के साथ २.३६ हो गई है।

पिछले कुछ दशकों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निरन्तर सुधार हुआ है, उसी का असर माना जा सकता है कि धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है लेकिन यह इतनी भी नहीं है, जिस पर जश्न मनाया जा सके। बेरोजगारी और गरीबी ऐसी समस्याएं हैं, जिनके कारण भ्रष्टाचार, चोरी, अनैतिकता, अराजकता और आतंकवाद जैसे अपराध पनपते हैं और जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किए बिना इन समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। विगत दशकों में यातायात, चिकित्सा, आवास इत्यादि सुविधाओं में व्यापक सुधार हुए हैं लेकिन तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ये सभी सुविधाएं भी बहुत कम पड़ रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की वर्तमान स्थिति की भयावहता के मद्देनजर पर्यावरण विशेषज्ञों की इस चेतावनी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि यदि जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार में अपेक्षित कमी लाने में सफलता नहीं मिली तो निकट भविष्य में एक दिन ऐसा आएगा, जब रहने के लिए धरती कम पड़ जाएगी और बढ़ती आबादी जरूरी संसाधनों को निगल जाएगी। विश्वभर में अभी भी डेढ़ अरब से ज्यादा लोग ढलानों पर, दलदल के करीब, जंगलों में तथा ज्वालामुखी क्षेत्र जैसी खतरनाक जगहों पर रह रहे हैं।

जहां तक प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या का सवाल है तो यह भी कम चिन्ता का विषय नहीं है कि जनसंख्या वृद्धि दर घटते जाने के साथ-साथ प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या भी घट रही है। निसंदेह यह सब पुत्र की चाहत में कन्या भ्रूणों को आधुनिक मशीनों के जरिये गर्भ में ही नष्ट किए जाने का ही दुष्परिणाम है। जनसंख्या वृद्धि में अपेक्षित कमी लाने के साथ-साथ जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखे जाने की भी नितांत आवश्यकता है कि पुरुष और महिलाओं की संख्या का अनुपात किसी भी सूरत में न बिगड़ने पाए क्योंकि यदि यह अनुपात इसी कदर गड़बड़ाता रहा तो आने वाले समय में इसके कितने घातक परिणाम सामने आएंगे, उसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

बढ़ती आबादी का सर्वाधिक चिंतनीय पहलू यह है कि इसका सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों से जितनी भी आमदनी हो रही है, वह किसी भी तरह पूरी नहीं पड़ रही, दशकों से यही स्थिति बनी है और इसे लाख प्रयासों के बावजूद सुधारा नहीं जा पा रहा। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक सन् २०५० तक विश्व की दो तिहाई आबादी नगरों में रहने लगेगी और तब ऊर्जा, पानी तथा आवास की मांग और बढ़ेगी जबकि बहुत से पर्यावरणविदों का मानना है कि सन् २०२५ तक ही विश्व की एक तिहाई आबादी समुद्रों के तटीय इलाकों में रहने को विवश हो जाएगी और इतनी जगह भी नहीं बचेगी कि लोग सुरक्षित भूमि पर घर बना सकें। इससे तटीय वातावरण तो प्रदूषित होगा ही, पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ जाएगा।

बहरहाल, भारत में जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण पाने के लिए हमें कुछ कठोर और कारगर कदम उठाते हुए ठोस जनसंख्या नियंत्रण नीति पर अमल करने हेतु कृतसंकल्प होना होगा ताकि कम से कम हमारी भावी पीढ़ियां तो जनसंख्या विस्फोट के विनाशकारी दुष्परिणामों भुगतने से बच सकें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्या कांग्रेस का खेल आप करेगी फेल

सुरेश हिन्दुस्थानी

गुजरात के विधानसभा चुनाव में अबकी बार अलग प्रकार की राजनीति होती दिखाई दे रही है। लम्बे समय से गुजरात में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला होता था, लेकिन अब गुजरात की चुनावी राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का प्रवेश भी हो चुका है। हालांकि आप गुजरात में कितना कुछ कर पाएगी, यह फिलहाल केवल संभावनाओं पर ही आधारित है, लेकिन वह कांग्रेस के सपनों पर पानी फेरती दिखाई दे रही है। आप ने जिस प्रकार से दिल्ली और पंजाब में अप्रत्याशित रूप से छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त किया, ऐसा कम ही देखने को मिलता है। यह बात सही है कि गुजरात के मतदाताओं का स्वभाव दिल्ली और पंजाब से मेल नहीं खाता, इसलिए आप गुजरात में सफल हो जाएगी, इसकी गुंजाइश कम ही लगती है, लेकिन कहा जाता है कि राजनीति असंभावित दृश्य को भी संभावित कर सकती है।

इसके पीछे का कारण यह भी है कि देश का मतदाता तात्कालिक लाभ पाने के लिए गुमराह हो जाता है और जहां से मुफ्त का लाभ दिखाई देता है, उसे अपना समर्थन भी दे देता है। वास्तव में मुफ्त देने की राजनीति आम आदमी को निकम्मा बनाने का ही काम करती है। इसके बजाय लोगों को स्वावलंबी बनाने के प्रयास तेज करने का काम सरकार की ओर से किया जाना चाहिए, इसकी देश को बहुत ज्यादा आवश्यकता है। जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो यह बात कहने में कोई संकोच नहीं है कि भाजपा अगर सत्ता पर फिर से विराजमान होती है तो यह उसकी नई उपलब्धि नहीं कही जाएगी, क्योंकि जो पहले से ही प्राप्त है, वह उपलब्धि नहीं होती। इसके अलावा कांग्रेस और आप अपनी ताकत बढ़ाने में सफल होती हैं, तो स्वाभाविक रूप से भाजपा कमजोर ही होगी, यही बात भाजपा को सोचने के लिए विवश कर रही है। इसका आशय यह भी है कि कांग्रेस और आप के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कांग्रेस तो गुजरात में लम्बे समय से विपक्ष की राजनीति करती रही है और अब उसमें आप भी शामिल हो सकती है। वर्तमान में गुजरात की प्रादेशिक राजनीतिक ताकत की बात की जाए तो यह बात सही है कि भाजपा के पास राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर चेहरों की संख्या कांग्रेस और आप से कहीं ज्यादा है। इसलिए यह कहा जाना उचित ही होगा कि प्रचार की दृष्टि से भाजपा अन्य दलों से ज्यादा स्थान पर पहुंच सकती है। जिसका राजनीतिक लाभ भी भाजपा को मिल सकता है। दूसरी बात यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मातृभूमि भी गुजरात ही है, इसलिए उनकी हर बात का प्रभाव भी मतदाताओं पर होगा। इसके बाद भाजपा में चाणक्य की भूमिका में स्थापित होते जा रहे गृहमंत्री अमित शाह लम्बी दूरी की योजना बनाने में सफल होते रहे हैं, यह भी गुजरात से ही हैं। जब अमित शाह अन्य स्थानों पर जाकर वहां राजनीति की बारीकियां समझ लेते हैं तो गुजरात तो उनका गृह प्रदेश है, यहां की पूरी राजनीति की समझ उनको होगी ही, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

गुजरात में पिछले चार विधानसभा चुनाव से भाजपा को लगातार बहुमत मिलता आ रहा है, जिसमें कांग्रेस द्वारा पूरा जोर लगाने के बाद भी सत्ता पाने लायक सफलता नहीं मिल सकी। अब कांग्रेस को यह उम्मीद लगने लगी है कि उसे सत्ता विरोधी मत भी प्राप्त हो सकते हैं। इसका कारण यह भी है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया और चुनाव परिणाम के दौरान कई बार ऐसा भी लगने लगा था कि कांग्रेस सत्ता प्राप्त कर सकती है। दूसरी बात यह भी है कि अबकी बार कांग्रेस ने ऐसी सीटों पर ज्यादा फोकस करने की योजना बनाई है, जहां बहुत कम अंतर से कांग्रेस के उम्मीदवार पराजित हुए थे। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस इस चुनाव के प्रति बहुत ही गंभीर दिखाई दे रही है। लेकिन कांग्रेस के लिए इस चुनाव में बड़ी समस्या यह भी है कि उसके पास प्रचार करने वालों में राष्ट्रीय नेता का अभाव है। क्योंकि सोनिया गांधी वर्तमान में राजनीतिक रूप से सक्रिय नहीं हैं और उनके पुत्र राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। इस यात्रा से राहुल को समय मिलेगा, इसकी संभावना कम ही दिखाई देती है। पिछले चुनाव में कांग्रेस को हार्दिक पटेल के आंदोलन का भी लाभ मिला, लेकिन अब हार्दिक पटेल भाजपा को मजबूत करने के लिए राजनीति कर रहे हैं।

जहां तक आम आदमी पार्टी की बात है तो यह कहा जा सकता है कि वह गुजरात में भी बिल्ली के भाग्य से छींका टूटने की प्रतीक्षा करते दिखाई दे रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी लुभावनी नीतियों का सब्जबाग दिखाकर मतदाताओं को सम्मोहित कर देते हैं और फिर उसी धारा में आम मतदाता भी बहने लगता है, लेकिन दिल्ली और पंजाब की भांति गुजरात में स्थापित होने का सपना देख रहे अरविंद केजरीवाल के लिए गुजरात इतना सरल नहीं है, जितना वे समझ रहे हैं। लेकिन इतना अवश्य ही कहा जा सकता है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस की संभावनाओं पर पानी फेर सकती है। गुजरात में क्या होगा, यह कहना अभी जल्दबाजी ही होगी, लेकिन यह भी सही है कि अगर सत्ता के विरोध में हवा का रुख रहा तो भाजपा को फिर से सत्ता प्राप्त करने के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता होगी। वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति सत्ता प्राप्त करने की नहीं रही, वह केवल इतनी ही राजनीति करती है कि भाजपा सत्ता से दूर हो जाए, इसके लिए फिर कोई भी सत्ता प्राप्त कर ले, इस प्रकार की राजनीति को सिद्धान्तहीन राजनीति ही कहा जाता है। इसी प्रकार की राजनीति के कारण ही आज कांग्रेस अपनी दुर्गति करा रही है। राजनीति अपनी नीतियों पर ही की जाती है, वर्तमान में कांग्रेस के पास अपनी स्वयं की कोई नीति ही नहीं है। कांग्रेस द्वारा जो भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, उसका भी आम जन द्वारा यह कहकर विरोध किया जा रहा है कि देश को कांग्रेस ने ही तोड़ा, फिर वह किस मुंह से भारत को जोड़ने की बात कर रही है। कमोबेश यही स्थिति आम आदमी पार्टी की भी है, उसके अपने कोई सिद्धांत नहीं हैं। वह भी भाजपा विरोधी राजनीति करने को ही राजनीति मानती है। निहितार्थ यही है कि भाजपा कम से कम सिद्धांत और विचार की राजनीति ही करती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फीफा कप: ब्राजील टीम ही क्यों भारतीयों की पसंद

आर.के. सिन्हा

क्रिकेट टी-२० वर्ल्ड कप के फौरन बाद अब फीफा विश्वकप आगामी २० नवंबर से कतर में शुरू हो रहा है। लोकप्रियता के स्तर पर क्रिकेट कहीं नहीं ठहरती फुटबॉल के सामने। भारत के हर गाँव में फुटबाल प्रेमी भरे पड़े हैं। फीफा विश्व कप को सारी दुनिया के करोड़ों-अरबों लोगे देखेंगे। भारत में भी इसके मैच हर रोज देखे जाएंगे। दुनिया भर के २०० से अधिक देशों ने हर चार साल में होने वाली इस फुटबॉल स्पर्धा में क्वालिफाई करने का प्रयास किया, लेकिन मेजबान कतर सहित केवल ३२ टीमें २०२२ फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर सकीं। हालांकि उन ३२ देशों में भारत भी नहीं है जो फीफा कप के लिए क्वालिफाई कर सके हैं।

एक अरसे से भारतीय फुटबॉल प्रेमी ब्राजील की टीम को ही चीयर करते हैं और संतोष कर लेते हैं। हमारे फुटबॉल प्रेमियों की ब्राजील की टीम को लेकर निष्ठा कभी विचलित नहीं हुई। उन्हें ब्राजील की कलात्मक शैली की फुटबॉल पसंद आती है। लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील, भारत से हजारों किलोमीटर दूर है। भारतीय पसंद करते रहे हैं पेले, रोमोरियो से लेकर रोनोल्डो, सोकरट्स जैसे ब्राजील के खिलाड़ियों को। ब्राजील की टीम में गेरसन, जौरजिन्हो, रिवेलिनो और तोस्ताओ जैसे उम्दा खिलाड़ी भी रहे हैं।

फुटबॉल भारत और ब्राजील को अद्भुत ढंग से जोड़ता भी है। इस बीच, ब्राजील के फिर से राष्ट्रपति बने लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा भारत के मित्र हैं। लूला २००३ से लेकर २०११ तक ब्राजील के राष्ट्रपति के रूप में भारत की सरकारी यात्रा पर तीन बार आये। इस दौरान भारत में अटल बिहरी वाजपेयी तथा डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। वे २००४ की गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे। वे गांधीजी को ही अपना आदर्श मानते हैं। दोनों ही देश ब्रिक्स समूह के शक्तिशाली सदस्य हैं।

ब्राजील की एक विशेषता यह भी है कि ब्राजील वासी भारतीय मूल के कंधे पर पुट्ठे वाली और गले में झालर, लम्बी सींघों वाली भारतीय गायों को पालना और उनके दूध, दही, मक्खन, घी का सेवन करना कहीं ज्यादा पसंद करते हैं। ब्राज़ील में भारतीय गायों को "ब्राह्मण" भी कहा जाता है।

हां, भारत विश्व फुटबॉल में शक्ति नहीं बन पाया है, पर भारत में इसे पसंद तो खूब किया जाता है। गाँव-गाँव में खेला जाता है फुटबाल। भारत ने २०१७ में फीफा अंडर-१७ चैंपियनशिप का सफल आयोजन भी किया था। उसके चलते भारत में फुटबॉल से जुड़े स्टेडियम और दूसरी सुविधाओं में गुणात्मक सुधार हुआ। एक दौर था जब भारत फुटबॉल में एक महान शक्ति था। वर्ष १९५० में भारत ने ब्राजील में खेले गए फीफा कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया था लेकिन वहां पर भारत को खेलने नहीं दिया गया था। इसका एक कारण यह भी बताया जाता है कि फीफा कप में खेलने के लिए फुटबॉल के विशेष तरह के बूट पहनने पड़ते हैं, जबकि भारतीय खिलाड़ियों को उस वक्त तक नंगे पांव खेलने की आदत थी। उनके पास कायदे के बूट थे भी नहीं। लेकिन, तब से दुनिया और भारत बहुत बदल चुका है। अब भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बन चुका है।

भारत ने १९६२ के जकार्ता एशियाई खेलों में फुटबॉल का गोल्ड मेडल भी जीता था। उसके बाद भारत को 9फुटबॉल का ब्राजील" तक कहा जाने लगा था। उस दौर में चुन्नी गोस्वामी, पीके बनर्जी, जरनैल सिंह, थंगराज जैसे बड़े खिलाड़ी भारत की फुटबॉल टीम की जान थे। पर, बाद के सालों में फुटबॉल कहीं पिछड़ गया। भारत में क्रिकेट जुनून और धर्म की शक्ल ले चुका है। पर कई राज्यों में फुटबॉल को क्रिकेट से ज्यादा पसंद किया जाता रहा है। इनमें पश्चिम बंगाल, केरल, गोवा और मणिपुर शामिल है। फुटबॉल बंगाल, गोवा, केरल वगैरह की संस्कृति का हिस्सा सदियों से है।

गोवा में फुटबॉल की शुरुआत १८८३ में हुई जब आइरिश पादरी फादर विलियम रॉबर्ट लियोंस ने इसे ईसाई शिक्षा और धर्म परिवर्तन का माध्यम बनाया। आज गोवा भारत में फुटबॉल का केंद्र बन चुका है। केरल में फुटबॉल की शुरुआत १८९० में हुई जब महाराजा महाविद्यालय तिरुअनंतपुरम के रसायनशास्त्र के प्रोफेसर बिशप बोएल ने युवाओं को फुटबॉल खेलने की प्रेरणा दी। १९३० के दशक में राज्य में कई फुटबॉल क्लब बने। केरल ने भी देश को कई सफल और मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी दिए हैं। इसी क्रम में मणिपुर का भी नाम लिया जाएगा।

और फीफा वर्ल्ड कप से पहले एक बार फिर से फुटबॉल के चाहने वालों में फिर से बहस छिड़ चुकी है कि महानतम फुटबॉलर कौन था? बहस के केन्द्र में पेले और माराडोना हैं। हालांकि इस सवाल पर अभी तक कोई सर्वानुमति नहीं बन पाई है, शायद ही आगे कभी बन पाए। पेले के चाहने वाले कहते हैं कि वे ही महानतम हैं। वे तीन बार जीती फीफा वर्ल्ड कप विजेता ब्राजील टीम के सदस्य रहे है। उन्हें साल २००० में फीफा प्लेयर आफ दि सैंचुरी का भी सम्मान मिला। इसके विपरीत माराडोना सिर्फ एक वर्ल्ड विजेता टीम में रहे। उन्होंने १९८६ वर्ल्ड कप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने का गौरव भी मिला था।

क्या पेले को मुख्य रूप से इसी आधार पर सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी माना जाए क्योंकि वे तीन बार जीती ब्राजील टीम में सदस्य थे। वे १९५८ में ब्राजील की टीम में थे। वे तब १७ साल के थे। वे १९६२ और १९६६ के वर्ल्ड कपों में चोटिल होने के कारण कोई खास जौहर नहीं दिखा सके थे। हां, वे १९७० के वर्ल्ड कप में अपने पीक पर थे। पर उस टीम के बारे में कहा जाता है कि वो वर्ल्ड कप में खेली महानतम टीम थी। कहने वाले कहते हैं कि वो टीम पेले के बिना भी वर्ल्ड कप जीतने की कुव्वत रखती थी।

उधर, माराडोना किसी भी टीम की रक्षा पंक्ति को भेद सकते थे। यहां पर माराडोना महान बनते हैं। उन्होंने १९८६ में विश्वकप अपने दम पर दिलवाया था। एक बात समझी जाए कि फुटबॉल का मतलब बड़े शॉट खेलना कतई नहीं है। बड़ा खिलाड़ी वो ही होता है,जो ड्रिबलिंग में माहिर होता है। उसे ही दर्शक देखने जाते हैं। इस लिहाज से पेले और माराडोना बेजोड़ रहे हैं। पेले के दोनों पैर चलते थे। उनका हेड शॉट भी बेहतरीन होता था। पेले के १९७० में इटली के खिलाफ फाइनल में हेडर से किए गोल को अभी लोग याद कर रोमांचित हो उठते हैं। उस गोल के चित्र अब भी यदा-कदा देखने को मिल जाते हैं। वैसे, उस फाइनल में एक गोल कार्लोस एलबर्टो ने पेले की ही पास पर किया था।

उधर, मारोडाना का सीधा पैर कतई नहीं काम करता था। उनका हैडर भी सामान्य रहता था। पर माराडोना को महान बनाता था बायां पैर। अगर गेंद उनके बायें पैर पर आ गई तो फिर वो फिर उन्हें रोक पाना असंभव था। उनका गेंद पर नियंत्रण और विरोधी खिलाड़ी को छकाने की कला दुबारा देखने को नहीं मिलेगी। माऱाडोना के बारे में विरोधी टीम को पता ही नहीं चलता था कि वे कब अपनी पोजीशन चेंज कर लेंगे। वे मैदान में हर जगह मौजूद रहते थे। पेले के पास भी लाजवाब ड्रिबलिंग कला थी, पर माराडोना से वे उन्नीस माने जाएंगे।

फ्री किक में भी माराडोना पेले से बहुत आगे जाते थे। उनका अपनी टीम पर गजब का प्रभाव था। हां, पासिंग और रफ्तार में दोनों का कोई सानी नहीं हुआ। भारत का बच्चा-बच्चा इन दोनों को चाहता है। ये दोनों बार-बार भारत भी आए। इनकी लोकप्रियता देशों की सीमाओं से परे रही है।

बढ़ती जनसंख्या: क्या-क्या करें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की ताजा रपट के मुताबिक दुनिया की आबादी ८ अरब से भी ज्यादा हो गई है। पिछले ५० साल में दुनिया की जनसंख्या जितनी तेजी से बढ़ी है, पहले कभी नहीं बढ़ी। अभी तक यही समझा जा रहा था कि चीन दुनिया का सबसे बड़ी आबादीवाला देश है लेकिन भारत उसको भी मात करनेवाला है। भारत में इधर बढ़े १७ करोड़ लोग उसे दुनिया का सबसे बड़ा देश बना देंगे।

ऐसा नहीं है कि भारत जनसंख्या के हिसाब से ही बहुत आगे बढ़ गया है। इस देश ने कई मामलों में सारी दुनिया से बेहतर उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इस समय डिजिटल व्यवहार में वह दुनिया में सबसे आगे हैं। जहां तक प्रवासी भारतीयों का सवाल है, दुनिया के जितने अन्य देशों में भारतीय मूल के लोग शीर्ष स्थानों पर पहुंचे हैं, दुनिया के किसी मुल्क के लोग नहीं पहुंच सके हैं। भारतीय मूल के लोग जिस देश में भी जाकर बसते हैं, वे हर क्षेत्र में आगे निकल जाते हैं। वे अपने सभ्य और सुसंस्कृत आचरण के लिए सारे विश्व में जाने जाते हैं लेकिन दुनिया की बढ़ती हुई आबादी कई देशों के लिए तो खतरनाक सिद्ध हो ही रही है, वह भारत के लिए भी चिंता का विषय है।

यदि आपके देश की या परिवार की आबादी बढ़ती चली जाए और उसकी जरूरतों की पूर्ति भी होती चली जाए तो कोई बात नहीं है लेकिन आबादी के साथ-साथ गरीबी और असमानता भी बढ़ती चली जाए तो वह समाज के लिए बोझ बन जाती है। यों तो भारत में जनसंख्या की रफ्तार पिछले दशकों के मुकाबले थोड़ी कम हुई है लेकिन हमारे देश में अभी भी लगभग १०० करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनके लिए हम पर्याप्त भोजन, निवास, वस्त्र, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन की व्यवस्था नहीं कर पाए हैं। हमारी जनसंख्या-बढ़ोतरी का यह अच्छा पहलू है कि भारत में युवा लोगों का अनुपात वृद्धों के मुकाबले बेहतर है। दुनिया के मालदार देशों में दीर्घायु की सुविधाओं के कारण वृद्धों की संख्या कहीं ज्यादा है।

जनसंख्या के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार को दो बच्चों वाले प्रतिबंध पर भी तुरंत विचार करना होगा। जनसंख्या की दृष्टि से भारत का फायदा उसके इस तेवर में भी है कि भारत से पढ़े-लिखे युवक बढ़िया आमदनी की तलाश में विदेशों में जाकर अपना ठिकाना बना लेते हैं। लेकिन भारत चाहे तो अपने दक्षिण और मध्य एशिया के देशों में विकास का इतना बड़ा अभियान चला सकता है कि देश के कई करोड़ लोगों को वहां रोजगार मिल सकता है और वे वहां बस भी सकते हैं। मध्य एशिया के पांचों देशों का क्षेत्रफल भारत से डेढ़ गुना है और उनकी आबादी मुश्किल से साढ़े सात करोड़ है। भारतीय लोगों को अगर उचित मार्गदर्शन और सुविधा मिले तो वे न केवल भारत की बढ़ती आबादी की समस्या हल कर सकते हैं बल्कि प्राचीन आर्यावर्त्त की अकूत संपदा का दोहन करके एशिया को यूरोप से भी आगे ले जा सकते हैं।

ओडिशा सीएस ने अधिकारियों को ३० नवंबर तक बिरसामुंडा हॉकी स्टेडियम को पूरा करने का निर्देश दिया

भुवनेश्वर:ओडिशा के मुख्य सचिव एस सी महापात्रा ने गुरुवार को अधिकारियों को १३ से जनवरी तक होने वाले पुरुष एफआईएच विश्व कप २०२३ से पहले बीरसमुंडा हॉकी स्टेडियम और राउरकेला हवाईअड्डे का निर्माण ३० नवंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया। २९ अगला। महापात्रा गुरुवार को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देश पर राउरकेला गए तीन सदस्यीय सचिव स्तर के दल के नेतृत्व में पत्रकारों से बात कर रहे थे और काम की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

टीम के अन्य सदस्य खेल और युवा मामलों के सचिव आर विनील कृष्णा और आईडीसीओ के प्रबंध निदेशक भूपेंद्र सिंह पुनिया थे। कार्य की समीक्षा करने के बाद महापात्रा ने कहा कि बीरसमुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का निर्माण अंतिम चरण में है। मुख्य व अभ्यास स्टेडियम में टर्फ बिछा दी गई है, दर्शक दीर्घा व खिलाड़ियों व अधिकारियों के ठहरने की जगह का काम जल्द ही पूरा होने वाला है।

मुख्य सचिव ने कहा कि काम पूरा होने के बाद अभ्यास मैच का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में वाहनों को समायोजित करने के लिए स्टेडियम के चारों ओर एक आधुनिक पार्किंग स्थल विकसित किया जा रहा है, क्योंकि विश्व कप हॉकी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के राज्य और बाहर से राउरकेला आने की उम्मीद है, जो पहली बार आयोजित किया जा रहा है। राउरकेला में। इसके अलावा स्टेडियम के अंदर पीने के पानी और शौचालय की भी व्यवस्था की गई है। जो लोग मैच देखने के लिए स्टेडियम नहीं आ सकते थे, उनके लिए स्टील सिटी के रणनीतिक स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि विश्व हॉकी कप का आयोजन १३ से २९ जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में किया जाएगा। राउरकेला में करीब २० मैच खेले जाएंगे। भुवनेश्वर से राउरकेला तक खिलाड़ियों की सुगम आवाजाही के लिए सीधी चार्टर उड़ानों की व्यवस्था की जाएगी। इसी को ध्यान में रखते हुए राउरकेला एयरपोर्ट के विस्तारीकरण का काम तेजी से चल रहा है। आगामी ३० नवम्बर तक सभी कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।मुख्य सचिव ने कहा कि राउरकेला को एयरपोर्ट से जोड़ने वाली विभिन्न सड़कों का भी विकास किया जा रहा है।

ओडिशा: बीजद, भाजपा, कांग्रेस ने पदमपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया

संबलपुर १७ नवंबर (वार्ता) पदमपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन गुरुवार को तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों और कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों ने सब कलेक्टर के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया।

तीन प्रमुख राजनीतिक दलों बीजद, भाजपा और कांग्रेस ने अपना नामांकन दाखिल करने के लिए आखिरी दिन का इंतजार किया और गुरुवार को ऐसा किया।

बीजद के बरशा सिंह बरिहा, भाजपा के प्रदीप पुरोहित और कांग्रेस के सत्य भूषण साहू, ने उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जो कि बीजद विधायक बिजया रंजन सिंह बरिहा के निधन के बाद जरूरी हो गया था।

जबकि भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक हैं, सत्तारूढ़ बीजद ने बरसा बरिहा मृतक बीजद विधायक की बेटी और भाजपा के वरिष्ठ नेता राम रंजन बलियारसिंह की बहू हैं।

इस मौके को भव्य बनाने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए तीनों राजनीतिक दलों के सभी वरिष्ठ नेता अपने-अपने प्रत्याशियों के साथ मौजूद थे।

हालांकि १० नवंबर से नामांकन शुरू हो गया था, लेकिन बुधवार की शाम तक किसी भी प्रतियोगी ने पर्चा दाखिल नहीं किया, क्योंकि क्षेत्र के आंदोलनकारी किसान फसल बीमा के भुगतान की मांग को लेकर गत १ नवंबर से धरने पर बैठे थे, उन्होंने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया था कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, तब तक वे पर्चा दाखिल न करें।

बरशा सिंह बरिहा, जिन्होंने सबसे पहले अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, उनके साथ पूर्व सांसद प्रसन्ना आचार्य, मौजूदा विधायक- देवेश आचार्य, स्नेहांगिनी छुरिया, सुशांत सिंह, अलका मोहनाती, रीता साहू और कई पार्टी नेता थे।

सुप्रीमो के निर्देश पर बीजद उम्मीदवार ने बिना किसी जुलूस या बैंड या भीड़ के ताकत दिखाने के लिए नामांकन दाखिल करने के दौरान लो प्रोफाइल बनाए रखने का एक बिंदु बनाया।

पार्टी के एक नेता ने कहा, ठयह भाजपा के प्रदीप पुरोहित के विपरीत था, जो पूर्व विधायक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ १४ नवंबर को एक बड़े जुलूस में गए थे, लेकिन किसानों की मांग का सम्मान करने के लिए ऐसा नहीं किया।

इसी तरह अनुभवी कांग्रेस नेता सह विधायक नरसिंह मिश्रा, संतोष सिंह सलूजा विधायक, पूर्व सांसद सह राज्य ओडिशा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सरत पटनायक, अश्विनी गुरु, प्रसाद हरिचंदन कांग्रेस उम्मीदवार सत्य भूषण साहू के साथ थे, जो निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के तीन बार के विधायक हैं।

भाजपा प्रत्याशी प्रदीप पुरोहित के साथ पार्टी सांसद सुरेश पुजारी सांसद, विधायक- जयनारायण मिश्रा, नौरी नाइक, प्रदेश अध्यक्ष समीर मोहंती और वरिष्ठ नेता कनक बर्धन सिंहदेव ने गुरुवार को नामांकन दाखिल किया, जैसा कि उन्होंने पिछले १४ नवंबर को किया था।

निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को अंतिम दिन कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन दाखिल किया।

जहां बीजेपी ने इस निर्वाचन क्षेत्र में पहले ही चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है, वहीं कांग्रेस और बीजद शनिवार से अपने शो पेश करेंगे।

हाल ही में धामनगर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार की हार के बाद बीजेडी के लिए अपनी सीट बरकरार रखने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाना स्पष्ट है। धमानगर सत्ताधारी बीजद के लिए घाटे का सौदा नहीं हो सकता है बीजेपी की सीट थी जिसने इसे बरकरार रखा।

इस बीच प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत जिले के गठन से लेकर किसानों को फसल बीमा तक विभिन्न मुद्दों पर बीजद और भाजपा के बीच हमले और जवाबी हमले जारी हैं।

उल्लेखनीय है कि अविभाजित संबलपुर जिले में पूर्व में बीजेपुर और ब्रजराजनगर उपचुनाव में बीजद ने जीत हासिल की थी।

टाटा पावर ओडिशा में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी : सिन्हा

भुवनेश्वर: ओडिशा के लोगों को स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पादों और समाधानों की पेशकश करने के लिए टाटा पावर राज्य भर में स्वच्छ गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रही है।

टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा ने गुरुवार को यहां पत्रकारों को बताया कि ओडिशा में बिजली उपभोक्ता अब बेहतर और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति का आनंद ले रहे हैं, क्योंकि राज्य का बिजली वितरण बहुत कम समय में एक सराहनीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि राज्य के डिस्कॉम न केवल एटीएंडसी घाटे को कम करने में सक्षम हैं, बल्कि विश्वसनीयता और ग्राहक संपर्क में भी सुधार हुआ है।

ग्राहकों के सामने आने वाले कई पुराने मुद्दों को सुलझा लिया गया है और लगभग २० लाख गैर-कार्यशील मीटरों को टाटा पावर के नेतृत्व वाली डिस्कॉम द्वारा बदल दिया गया है।

सिन्हा ने कहा कि टाटा पावर ने डिस्कॉम में स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजीज की तैनाती को लागू किया है, जिसके परिणामस्वरूप सभी सेगमेंट में ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि डिस्कॉम ने ग्राहकों को अच्छी सेवा देने के लिए अपनी सेवाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत किया है।

ओडिशा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप का सबसे अच्छा मॉडल है जो ग्राहकों को परिणाम दे रहा है

डिस्कॉम ने विश्वसनीयता में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर नेटवर्क वृद्धि और बिजली आपूर्ति नेटवर्क का सक्रिय रखरखाव किया है, जिसके परिणामस्वरूप फीडर ट्रिपिंग में ३०-४० प्रतिशत की कमी आई है।

वास्तविक समय की निगरानी और गतिशील बिजली प्रबंधन के लिए सभी डिस्कॉम में केंद्रीय विद्युत प्रणाली नियंत्रण केंद्र (सीपीएससीसी) स्थापित किए गए हैं। टाटा पावर के प्रबंध निदेशक ने कहा कि त्रुटि मुक्त बिलिंग सुनिश्चित करने के लिए ऑप्टिकल कैरेक्टर रीड (ओसीआर) तकनीक लागू की गई है।

ग्रामीण ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए राज्य भर में लगभग २००० फ्यूज कॉल सेंटर (एफसीसी) को अपग्रेड किया गया है।

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए टीपी डिस्कॉम रूफटॉप सोलर इंस्टालेशन, सोलर पंप और होम ऑटोमेशन समाधान पेश करेगी।

टीपी डिस्कॉम ने आभा शक्ति नामक एक महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू किया है जिसके तहत महिला स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) के सदस्यों को सामाजिक परिवर्तन एजेंट बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। सिन्हा ने कहा कि आभा शक्ति के सदस्यों को डिजिटल माध्यम से आजीविका कौशल प्रदान किया गया है

टेक और पावर डिस्कॉम का ज्ञान और उपभोक्ता-केंद्रित संचालन जैसे मीटर रीडिंग, बिलिंग,और संग्रह (एमबीसी) गतिविधियाँ, इस प्रकार उन्हें स्व-नियोजित बनने में सक्षम बनाती हैं।

भुवनेश्वर के सभी स्कूलों में साइबर अपराध का पाठ पढ़ाएगी कमिश्नरेट पुलिस, बच्चे होंगे जागरूक

भुवनेश्वर: ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे साइबर अपराध, नशा कारोबार या अन्य आपराधिक गतिविधियों से दूर रहें इसके लिए अब कमिश्नरेट पुलिस ने कमर कस ली है। राजधानी के विभिन्न स्कूलों में जाकर कमिश्नरेट पुलिस बच्चों को १० प्रकार के साइबर अपराध और अन्य तरह के अपराधों के बारे में जानकारी देगी और उन्हें जागरूक करेगी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों को फसल बीमा मिलने में देरी के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

कमिश्नरेट पुलिस ने इस संदर्भ में एक मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। स्कूल के अध्यापक एवं पुलिस अधिकारियों को लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। इसके बाद स्कूल स्तर पर साइबर सिक्योरिटी क्लब का गठन किया जाएगा। ऐसी ही एक नई योजना का कमिश्नरेट पुलिस ने शुभारंभ किया है। राजधानी भुवनेश्वर में रहने वाले सभी स्कूलों में साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला की जाएगी।

इस संदर्भ में कमिश्नरेट पुलिस मुख्यालय में राजधानी के १०० स्कूल के प्रतिनिधि एवं पुलिस को लेकर एक समन्वय बैठक की गई है। इस बैठक में पुलिस आयुक्त सौमेंद्र प्रियदर्शी, डीसीपी प्रतीक सिंह, ट्रैफिक विश्व की ठाकुर प्रसाद पात्र प्रमुख उपस्थित थे।

बैठक में हुई चर्चा के मुताबिक पहले प्रत्येक स्कूल में दो पुलिस व्हाट्सएप ग्रुप रहेगा। इसमें स्कूल के कंप्यूटर विषय में ज्ञान रखने वाले शिक्षक और अन्य एक शिक्षक को शामिल किया जाएगा। उसी तरह से स्कूल स्तर पर साइबर सिक्योरिटी क्लब में ५ लोगों को शामिल किया जाएगा। इस क्लब में एक छात्रा, २ छात्र तथा २ शिक्षक को स्थान दिया जाएगा। यह जागरूकता कार्यक्रम भुवनेश्वर के सभी स्कूलों में चलाया जाएगा। पहले चरण में यह कार्यक्रम ५० स्कूलों में चलाए जाने की जानकारी मिली है। इसमें अभिभावक, छात्र छात्रा, शिक्षक शिक्षिका जागरूकता कार्यक्रम में साइबर विशेषज्ञ के साथ भाग लेंगे। इन्हें १० से १२ प्रकार की साइबर ठगी के बारे में जानकारी दी जाएगी और जागरूक किया जाएगा। डीसीपी प्रतीक सिंह ने कहा है कि इस व्यवस्था से बच्चे साइबर अपराध के बारे में जागरूक होंगे और आगे चलकर इस तरह का कोई कार्य नहीं करेंगे ऐसी हमें उम्मीद है।

मुट्ठी भर बादाम परिपूर्णता की भावना को बढ़ावा देते हैं: पैनलिस्ट

भुवनेश्वर: मुट्ठी भर बादाम में तृप्ति देने वाले गुण हो सकते हैं जो परिपूर्णता की भावना को बढ़ावा देते हैं, जो भोजन के बीच भूख को दूर रख सकते हैं।

बादाम जैसे स्वस्थ खाद्य पदार्थों का सेवन न केवल हमें जंक फूड खाने से रोकता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि हमारे शरीर को पोषण मिले, क्योंकि बादाम विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, जिंक जैसे १५ पोषक तत्वों का स्रोत हैं।

गुरुवार को कैलिफोर्निया के आलमंड बोर्ड द्वारा आयोजित 'प्राथमिकतापूर्ण खाने को प्राथमिकताः समग्र पारिवारिक स्वास्थ्य के लिए नया मंत्र'' पर एक सत्र के दौरान पैनलिस्टों द्वारा ये टिप्पणियां की गई हैं।

इस सत्र में जाने-माने ओडिया सेलिब्रिटी, नैना दाश तिवारी, साथ ही रितिका समद्दर, क्षेत्रीय प्रमुख, डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर - दिल्ली शामिल थे, और आरजे शैली द्वारा संचालित किया गया था।

मिठाई और चीनी-आधारित खाद्य पदार्थों जैसे कैलोरी-घने ? ?खाद्य पदार्थों का सेवन भी एक दिनचर्या है जब कुछ व्यंजनों या अवसरों की बात आती है।

इसलिए, दिमाग से खाना और भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि यह किसी की खाने की आदतों पर नियंत्रण पाने में सहायता करता है, पैनलिस्टों ने ध्यान से खाने का सुझाव देते हुए कहा, जो उन्होंने कहा कि एक बनाए रखने में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि बादाम जैसे खाद्य पदार्थ हजारों वर्षों से भारतीय परंपराओं और खान-पान की आदतों का हिस्सा रहे हैं और आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध ग्रंथों में उनके स्वास्थ्य लाभों का व्यापक रूप से उल्लेख किया गया है।

पैनलिस्टों ने आगे कहा कि बादाम, जो प्रोटीन का स्रोत हैं और आहार फाइबर में उच्च हैं, रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, टाइप २ मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार कर सकते हैं और कार्बोहाइड्रेट खाद्य पदार्थों के रक्त शर्करा के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो उपवास इंसुलिन के स्तर को प्रभावित करता है।

स्वस्थ भोजन के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पैनलिस्टों ने वजन प्रबंधन, टाइप -२ मधुमेह और हृदय स्वास्थ्य जैसे कई जीवन शैली विकारों पर चर्चा की, और यह कि दैनिक दिनचर्या में मुट्ठी भर बादाम जोड़ने जैसे मामूली बदलाव आसानी से अच्छा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य, और लगातार फिट रहने में।

पैनलिस्टों ने शहर भर के परिवारों से स्वस्थ खाने की आदतों को अपनाने और अन्य दोस्तों और परिवार के अन्य सदस्यों को इस बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

ऋतिका समद्दर ने कहा, ''अच्छे भोजन के विकल्पों और स्नैकिंग की आदतों के बारे में जागरूकता एक स्वस्थ जीवन शैली का नेतृत्व करने की कुंजी है।

उसने कहा कि अध्ययनों से पता चलता है कि हस्तक्षेप तकनीकें जो सचेत आत्म-जागरूकता को बढ़ाती हैं, चिंता और अवसाद, भोजन की लालच और वजन घटाने सहित कल्याण में सुधार करती हैं।

भोजन के समय बादाम खाने से भोजन के बाद ग्लाइसेमिया कम हो जाता है और अच्छी तरह से नियंत्रित टाइप २ मधुमेह वाले व्यक्तियों में लंबे समय तक सेवन करने से हीमोग्लोबिन'१' कम हो जाता है।

किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह भी पाया गया कि बादाम खाने से मानसिक तनाव के जवाब में हृदय गति परिवर्तनशीलता में सुधार हुआ।

प्रसिद्ध उड़िया सेलिब्रिटी नैना दाश तिवारी ने कहा, "अपने परिवार और खुद के स्वास्थ्य के लिए, किसी को भी उस तरह की जीवन शैली और खाने की आदतों के बारे में पता होना चाहिए जो हम घर पर करते हैं।

कोई भी आदत जो आपके स्वास्थ्य लक्ष्यों में शामिल नहीं होती है, उससे बचना चाहिए और इससे भी बेहतर, कुछ स्वस्थ या पौष्टिक द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

नैना ने कहा, मैं हर किसी को नियमित रूप से मुट्ठी भर बादाम खाने की सलाह दूंगी ताकि आप भी इसके कई स्वास्थ्य लाभों का लाभ उठा सकें।

पूर्व भारतीय राजदूत अवसर बेउरिया का निधन

८० वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

भुवनेश्वर:पूर्व राजदूत अवसर बेउरिया का निधन हो गया है। भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में बुधवार देर रात को उन्होंने अंतिम श्वास ली है। मृत्यु के समय उनकी उम्र ८० साल थी।

खबर के मुताबिक बुधवार देर रात को अवसर बेउरिया के सीने दर्द हुआ था। इसके तुरन्त बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। यहां पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अवसर बेउरिया की हृदय की गति रुक जाने से मृत्यु होने की जानकारी उनकी पत्?नी तृप्ति ने दी है।

स्व.अवसर बेउरिया ने जापान, रूस, अमेरिका, यूएई, म्यांमार, श्रीलंका और मेडागास्कर में भारतीय दूतावासों में काम किया है। उन्होंने सितंबर १९९९ से नवंबर २००१ तक अफ्रीकी देश मेडागास्कर में भारतीय राजदूत के रूप में कार्य किया। विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान अधिकांश समय अवसर बेउरिया भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जुड़े रहे।

भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, उन्होंने एक बैंक अधिकारी और अध्यापक के रूप में काम किया। उन्होंने रेवेंसा कॉलेज (नहीं ण्दत्तु) से स्नातक तथा उत्कल विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। सेवानिवृत्ति के बाद ओडिआ और अंग्रेजी समाचार पत्रों के लिए एक स्तंभकार के रूप में काम किया।

वह विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी शामिल थे। उन्होंने सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में भी काफी काम किया है। भुवनेश्वर आचार्य बिहार में मौजूद रिजियोनल म्यूजियम आफ नेचरल हिस्ट्री के प्रति उनका बड़ा योगदान है।

अवसर बेउरिया की दो बेटियां अमेरिका में हैं। अवसर बेउरिया की पत्नी ने कहा है कि दोनों बेटियों के आने के बाद ही उनके शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

लायंस क्लब मरकत नगर द्वारा असहाय बच्चों में कम्बल एवं बिस्कुट वितरण

कटक : स्थानीय बीडानसी क्षेत्र स्थित अनाथ आश्रम ममता होम में लायंस क्लब मरकत नगर के अध्यक्ष दीपक कजरिया के नेतृत्व में गोपाल मोदी, सज्जन शर्मा, संजय संतुका, रमन बागरिया, सरत सांगानेरिया , राजेश संथोलिया , इलू मोदी एवं उनके परिवार के लोगों के साथ मिलकर ममता होम में रह रहे ४० बच्चो में कम्बल एवं बिस्कुट का वितरण किया गया। सचिव पपु शर्मा ने बताया की लायंस क्लब मरकत नगर कटक शहर के अनेक अनाथ आश्रमों में हर महीने उनमें रह रहे बच्चों के लिए आवश्कता अनुसार सामग्री प्रदान करती है। आगामी महीने में भी बीडानसी अंचल के अन्य एक अनाथ आश्रम में चावल एवं अन्य खाने की सामग्री का वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्री गोपाल मोदी एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर सहयोग किया।

मधु श्रीवास्तव की दादागिरी, मेरे कार्यकर्ता को किसी ने छुआ तो घर में घुसकर गोली मार दूंगा

वडोदरा । वडोदरा की वाघोडिया सीट से भाजपा विधायक मधु श्रीवास्तव की फिर एक दबंगई सामने आई है। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले मधु श्रीवास्तव ने कहा कि अगर किसी ने उनके कार्यकर्ता का कॉलर पकड़ा तो घर में घुसकर गोली मार दूंगा। बता दें कि मधु श्रीवास्तव ने आज बतौर निर्दलीय उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल किया है। भाजपा ने अबकी बार मधु श्रीवास्तव को टिकट नहीं दिया है। वडोदरा की केवल वाघोडिया ही नहीं कई सीटों पर भाजपा को बगावत का सामना करना पड़ रहा है। कहीं नाराज नेताओं को मनाने में भाजपा सफल रही है, लेकिन कई जगह टिकट ना मिलने से नाराज विधायकों ने निर्दलीय उम्मीदवारी दर्ज करवा दी है। मधु श्रीवास्तव में भी उनमें से एक हैं। मधु श्रीवास्तव ने नामांकन से पहले आज हनुमानजी की प्रतिमा के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। वडोदरा के धीरज सर्कल से तहसीलदार कचहरी तक मधु श्रीवास्तव ने रैली निकाली। मधु श्रीवास्तव के चुनाव कार्यालय पर भी हजारों की संख्या में उनके समर्थक जमा हुए। इस मौके पर मधु श्रीवास्तव ने अपने कार्यकर्ताओं कहा कि उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है, यह बाहुबली अभी है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर किसी ने उनके कार्यकर्ताओं को कॉलर पकड़ा तो घर में घुसकर गोली मार देंगे। साथ ही कहा कि शेर अकेला ही चलता है। गौरतलब है बीते दिन गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने मधु श्रीवास्तव को मनाने अंतिम प्रयास किया था। वडोदरा एयरपोर्ट पर पाटील ने श्रीवास्तव के साथ करीब सवा घंटे बैठक की। लेकिन मधु श्रीवास्तव चुनाव मैदान से हटने को राजी नहीं हुए। पाटील के साथ बैठक करने के बाद मधु श्रीवास्तव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सतीश निशाळिया भले गए हों, मैं मधु श्रीवास्तव हूं। मैं निर्दलीय चुनाव लडूंगा और कल नामांकन भी दाखिल करूंगा।

अचानक बिगड़ी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तबीयत, पश्चिम बंगाल में कार्यक्रम में थे मौजूद

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। दरअसल, नितिन गडकरी आज पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी दौरे पर थे। यहीं पर एक कार्यक्रम के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी। नितिन गडकरी सिलीगुड़ी में एक कार्यक्रम में सड़क के उद्घाटन को लेकर पहुंचे थे। वे चाय पी रहे थे तभी उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई। फिलहाल नितिन गडकरी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। नितिन गडकरी फिलहाल नेओटिया अस्पताल के जाने-माने डॉक्टर पीबी भूटिया की निगरानी में थे। पीबी भूटिया खुद उनकी तबीयत की देखभाल कर रहे थे। खबर के मुताबिक के बीजेपी के सांसद राजू बिस्टा के आवास पर नितिन गडकरी का इलाज 3 डॉक्टर कर रहे हैं। खबर यह भी आ रही है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद नितिन गडकरी के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली है। ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी कमिश्नर को इसको लेकर कई निर्देश दिए थे। साथ ही साथ बेहतर उपचार की बात कही थी। बताया जा रहा है कि शुगर लेवल कम होने की वजह से नितिन गडकरी की तबीयत अचानक खराब हुई है। फिलहाल नितिन गडकरी की तबीयत ठीक बताई जा रही है। भाजपा के विधायक नीरज जिम्पा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गडकरी की तबीयत बाद में ठीक हो गई और वह अपनी कार में सवार होकर रवाना हो गए। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब नितिन गडकरी की अचानक तबीयत खराब हुई है। इससे पहले भी एक कार्यक्रम के दौरान 2018 में उनकी तबीयत खराब हो गई थी।

केंद्र सरकार अनिवासी भारतीयों के विदेशी धन को कर योग्य व गैर-कर योग्य आय में विभाजित कर सकती है

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का आईटी विभाग अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए भारत से प्राप्त विदेशी धन का विवरण साझा करना अनिवार्य कर सकता है और अगले वित्तवर्ष में इसे कर योग्य और गैर-कर योग्य आय में विभाजित कर सकता है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, एनआरआई को भी निर्देश दिया जा सकता है कि वे अपने भारतीय व्यापार कनेक्शन का खुलासा करें तथा प्रकृति और यहां तक कि ठिकाने के बारे में विस्तार से बताने के लिए कहा जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईटी विभाग उस व्यक्ति के मामले में भी विवरण मांग सकता है, जिसने पिछले मालिक से पूंजीगत संपत्ति प्राप्त की थी और जिसे पूंजीगत लाभ से छूट दी गई थी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ऐसे मामले में पूंजीगत संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्ति को पूंजीगत संपत्ति की बिक्री पर पिछले मालिक के विवरण की रिपोर्ट करने के लिए कहा जा सकता है।

नेताजी ने सदैव सबका सम्मान रखा था, उनकी सोच और विचारों को हम सब आगे लेकर जाएंगे- डिंपल

मैनपुरी । मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी और पूर्व सांसद डिम्पल यादव ने पार्टी की महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'ये चुनाव नेताजी के सम्मान का चुनाव है। मुझे उम्मीद है कि आप सब उनका सम्मान रखेंगे। नेताजी ने सदैव सबका सम्मान रखा था, उनकी सोच और विचारों को हम सब आगे लेकर जाएंगे।' ज्ञात रहे कि मैनपुरी लोकसभा सीट 'नेताजी' के नाम से मशहूर रहे सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई है। डिंपल उनकी बहू हैं। इस सीट पर उपचुनाव के तहत आगामी पांच दिसंबर को मतदान होगा। डिंपल ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2012 से 2017 तक सत्तारूढ़ रही सपा की सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए एम्बुलेंस सेवा शुरू कराई थी और कन्या विद्या धन की शुरुआत की थी। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार सिर्फ बड़े-बड़े दावे करती है और जनता को धोखा देती है। उन्होंने कहा, 'देश में महंगाई चरम पर है, रसोई गैस का सिलिंडर 1100 रुपये का हो गया है। एक गृहणी के लिए यह सब बहुत मुश्किल होता है।'

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी हुई तेज, ऊंचाई वाले इलाकों में जनजीवन प्रभावित, 100 से ज्यादा सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले तीन दिनों से हो रही बर्फबारी के कारण 100 से अधिक सड़कें बंद हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन विभाग के सूत्रों के अनुसार, लाहौल और स्पीति में 90, रोहतांग दर्रे और जालोरी दर्रे पर राष्ट्रीय राजमार्ग तीन और राष्ट्रीय राजमार्ग 305 समेत कुल्लू में छह, कांगड़ा में तीन, चंबा में दो और मंडी में एक सड़क अवरुद्ध है। जनजातीय लाहौल और स्पीति जिले के उदयपुर उपमंडल में टिंडी-पांगी सड़क बुधवार सुबह एक स्थान पर भूस्खलन के बाद अवरुद्ध हो गई। इस घटना में जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारी ने कहा कि यातायात बहाली का काम प्रगति पर है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। लाहौल और स्पीति में केलांग राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 6.9 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है।

योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बने रहने पर सवाल उठाने वाली याचिका हुई खारिज

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने योगी आदित्यनाथ के 25 सितंबर 2022 के बाद उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बने रहने पर सवाल उठाने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने बेकार की याचिका दाखिल कर अदालत का वक्त खराब करने पर याचिकाकर्ता पर 11 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। न्यायमूर्ति ए. आर. मसूदी और न्यायमूर्ति ओ. पी. शुक्ला की पीठ ने डॉ. एम स्माइल फारुकी द्वारा दाखिल याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह आदेश 11 नवंबर का है जो बुधवार को उपलब्ध हुआ। याची ने पीठ से आग्रह किया था कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 25 सितंबर 2022 के बाद भी पद पर बने रहने के समर्थन में विधिक दस्तावेज पेश करने के आदेश दे।

'किसानों की मांग नहीं हुई पूरी', एसकेएम का ऐलान- 26 नवंबर को राज भवनों तक होगा मार्च, 19 नवंबर को मनाएंहे 'फतह दिवस'

वाशिम (एजेंसी)। देश में तीन कृषि कानूनों को लेकर लगभग 1 साल तक किसानों का आंदोलन चला था। दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा के अंतर्गत विभिन्न राज्यों के किसानों ने आंदोलन किया था। हालांकि, पिछले साल गुरु नानक जयंती के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने का ऐलान किया था जिसके बाद संयुक्त किसान मोर्चा के रुख में थोड़ी नरमी आई। सरकार ने उनकी मांगों को लेकर आश्वासन भी दिया था। हालांकि, अब किसान मोर्चा का यह दावा है कि आश्वासन मिलने के बाद भी हमारी मांगे पूरी नहीं हुई है। इसी को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा 26 नवंबर को पूरे देश में राज भवन उत्तर मार्ग निकालेगा। इतना ही नहीं, 19 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से 'फतह दिवस' मनाया जाएगा।

अपने बयान में संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि 19 नवंबर को 'फतह दिवस' के रूप में मनाया जाएगा क्योंकि पिछले साल इसी दिन केन्द्र सरकार ने विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने का आदेश दिया था। इसके साथ ही बयान में कहा गया है कि एक से 11 दिसंबर तक सभी राजनीतिक दल के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के कार्यालयों तक मार्च करेंगे। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा कि किसान आंदोलन के अगले चरण पर फैसला करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा की एक बैठक आठ दिसंबर को करनाल में होगी। इससे पहले भी एसकेएम ने बयान जारी कर कहा था कि बैठक में फैसला किया गया कि एसकेएम किसानों के ऐतिहासिक संघर्ष के दो साल पूरे होने के अवसर पर 26 नवंबर को बड़े पैमाने पर राजभवनों तक किसान मार्च निकालेगा।

वहीं, राकेश टिकैत ने कहा था कि आंदोलन को खत्म करने के लिए सरकार की ओर से कई बड़े वादे किए गए थे। लेकिन सरकार ने जो भी वादा किया, वह आज तक पूरा नहीं हो पाया है। यही कारण है कि हम फिर से आंदोलन करने को विवश हुए हैं। इसके लिए संयुक्त किसान मोर्चा किसानों के साथ तैयारी में लगा हुआ है और योजनाओं पर विचार किया जा रहा है। गौरतलब है कि हजारों की संख्या में किसानों ने नवंबर 2020 में केंद्र से वर्ष 2019 में पारित तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली का घेराव किया था। इनमें से अधिकतर किसान पंजाब

और हरियाणा के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने नवंबर 2021 में इन कानूनों को वापस ले लिया था।

मध्यप्रदेश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में धमाके की तैयारी

- सत्ता पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक हलचलें बढ़ी

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश में 23 नवंबर को प्रवेश होगा। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर राजनीतिक एवं प्रशासनिक हलकों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। अगले वर्ष मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं। भारत जोड़ो यात्रा का असर अगले विधानसभा चुनाव में होना तय माना जा रहा है। इसके लिए सत्तापक्ष और विपक्ष अपने अपने तरीके से भारत जोड़ो यात्रा को लेकर रणनीति बना रहे हैं।

सत्ता पक्ष कोई बड़ा धमाका करने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस के एक दर्जन विधायकों से सत्तापक्ष का संपर्क बना हुआ है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब मध्यप्रदेश में होगी। तब उसको प्रचार-प्रसार ना मिले। इसके लिए सत्ता पक्ष द्वारा ऐसा कोई धमाका किया जाएगा। जिससे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, मध्य प्रदेश में फ्लॉप हो।

भारत जोड़ो और कांग्रेस तोड़ो की रणनीति विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच में बन रही है। सूत्रों के अनुसार सत्ता पक्ष लगभग एक दर्जन विधायकों को इसी दौरान भाजपा में लाकर, भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्य पर तीखा हमला करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस टूटने से बच जाए तब भारत जोड़ने की बात करें।

भाजपा ने इसके लिए अपने युवा और आदिवासी नेताओं को विशेष रुप से जिन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन की थी। उन्हें इस काम में लगाया है। भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों में लगे कांग्रेस नेताओं के ऊपर अपने विधायकों को बचाने का मनोवैज्ञानिक दबाव बना दिया है। कांग्रेस नेताओं को भय है, कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ऑपरेशन लोटस के तहत कांग्रेस के विधायकों को भाजपा में शामिल कर कांग्रेस को चुनौती देने का काम भाजपा कर सकती है।

भारतीय जनता पार्टी में शामिल कांग्रेस के बागी विधायक जो भाजपा में चले गए हैं। उन सबकोभाजपा ने सक्रिय किया है। 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी रणनीति तैयार कर ली है। भारत जोड़ो यात्रा जब मध्यप्रदेश में होगी तब कोई बड़ा धमाका भाजपा कर सकती है।

प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथऔर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को इस तरह की आशंका है। वह कांग्रेस विधायकों के लगातार संपर्क में हैं। भाजपा के भी कुछ विधायक कांग्रेस के संपर्क में बने हुए हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, भाजपा के कुछ विधायक जिन्हें भाजपा से टिकट मिलने की उम्मीद नहीं है। वह कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। शह और मात का खेल दोनों ओर से खेला जा रहा है। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है।

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष को लगा बड़ा झटका, कोर्ट ने हिंदू पक्ष की अर्जी को सुनवाई के योग्य माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानवापी मामले को लेकर आज एक बार फिर से कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई अब 2 दिसंबर को करने का फैसला लिया है। हालांकि, सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की एक याचिका को खारिज कर दिया गया। वही, हिंदू पक्ष की अर्जी को कोर्ट में सुनवाई के योग्य माना है। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में साफ तौर पर कहा था कि इस मामले में हिंदू पक्ष की याचिका पर सुनवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन कोर्ट ने अब कहा है कि याचिका पर सुनवाई संभव है। यही कारण है कि मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया गया है।

इससे पहले ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर में वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान मिले कथित शिवलिंग की पूजा-अर्चना की अनुमति देने और परिसर में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी का आदेश देने का आग्रह करने वाली याचिका की पोषणीयता (सुनवाई करने या नहीं करने) पर वाराणसी की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 17 नवंबर को अपना सुनाने की बात कही थी। वादी ने अपनी याचिका में ज्ञानवापी परिसर में मुसलमानों का प्रवेश निषेध, परिसर हिंदुओं को सौंपने के साथ ही परिसर में मिले कथित शिवलिंग की नियमित तौर पूजा-अर्चना करने का अधिकार देने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले, इसी साल मई में दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) की अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर का वीडियोग्राफी सर्वेक्षण कराया गया था।

नोटबंदी सोच-विचार करके लिए गया फैसला

-केंद्र सरकार ने किया सुप्रीम कोर्ट में फैसले का बचाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2016 में की गई नोटबंदी एक बहुत ही सोच-विचार करके लिए गया फैसला था और यह जाली नोट, आतंकवाद के वित्तपोषण, काले धन और कर चोरी जैसी समस्याओं से निपटने की बड़ी रणनीति का हिस्सा था। यह कहना है केंद्र सरकार का।

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में अपने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 500 और 1000 के नोटों को चलन से बाहर करने और नोटबंदी का यह निर्णय भारतीय रिजर्व बैंक के साथ गहन विचार- विमर्श के बाद लिया गया था और नोटबंदी से पहले इसकी सारी तैयारियां कर ली गई थीं।केंद्र ने नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में दायर हलफनामे में यह बात कही है। इसमें केंद्र सरकार ने कहा, ''नोटबंदी करना जाली करेंसी, आतंक के वित्तपोषण, काले धन और कर चोरी की समस्याओं से निपटने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा और एक प्रभावी उपाय था। लेकिन यह केवल इतने तक सीमित नहीं था। परिवर्तनकारी आर्थिक नीतिगत कदमों की श्रृंखला में यह अहम कदमों में से एक था।'

हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा कि नोटबंदी का निर्णय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की विशेष अनुशंसा पर लिया गया था और आरबीआई ने इसके क्रियान्वयन के लिए योजना के मसौदे का प्रस्ताव भी दिया था। पीठ ऐसी 58 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है जिनमें केंद्र के आठ नवंबर, 2016 को लिए गए नोटबंदी के फैसले को चुनौती दी गई है।इस मामले पर सुनवाई पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ कर रही है और अब अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी।

प्रदूषण को लेकर नीतीश सरकार पर बरसे प्रशांत किशोर, कहा- प्रदूषण मापने वालों को ज्ञान ही नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। भले ही बिहार में महागठबंधन की सरकार स्थिरता के साथ चल रही है लेकिन कहीं ना कहीं प्रसाद शोर जबरदस्त तरीके से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर एक बार फिर से प्रशांत किशोर ने प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है उन्होंने अपने जन सुराज यात्रा के दौरान साफ तौर पर कहा कि बिहार में प्रदूषण मापने वालों को कोई भी ज्ञान नहीं है प्रशांत किशोर ने कहा कि सभी जगह दिल्ली में वायु प्रदूषण की चर्चा हो रही है लेकिन देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 7 बिहार में है उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार में प्रदूषण मापने वालों को कोई ज्ञान नहीं है या फिर सरकार की होम डिलीवरी वाली शराबबंदी से नाराज होकर अधिकारी गलत आंकड़े दे रहे हैं

प्रशांत किशोर ने यह बातें अपनी ट्वीट में लिखी है। प्रशांत किशोर ने लिखा कि दिल्ली के वायु प्रदूषण की चर्चा है, जबकि देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 7 शहर बिहार के हैं। नीतीश कुमार जी लगता है, प्रदूषण नापने वालों को भी कोई ज्ञान नहीं है या फिर सब आपके Home Delivery वाले शराबबंदी से नाराज होकर गलत आँकड़े दे रहे हैं! आपको बता दें कि प्रशांत किशोर लगातार बिहार के मुख्यमंत्री पद हमलावर है। बिहार में 13 शहरों में वायु प्रदूषण खराब श्रेणी में है। इसमें सीवान, बेतिया, बेगूसराय, पूर्णिया समेत कई जिले हैं। लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। इससे पहले प्रशांत किशोर ने खुद के चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार किया था लेकिन अपने गृह राज्य बिहार के लिए एक ''बेहतर विकल्प'' बनाने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई।

प्रशांत किशोर राज्य की 3500 किलोमीटर लंबी पद यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिलों में इसी तरह से जनता से राय ली जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जदयू के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने दावा किया कि अगर मैं नीतीश कुमार के राजनीतिक उद्यम में शामिल हो जाता हूं तो वह एक बार फिर से मुझ पर मेहरबान दिखेंगे। चूंकि मैंने अपने लिए एक अलग रास्ता चुना इसलिए वह और उनके समर्थक मुझसे नाखुश हैं। किशोर ने जदयू के नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्हें नीतीश कुमार से पूछना चाहिए ÷अगर मेरी कोई राजनीतिक समझ नहीं थी तो मैं दो साल तक उनके आवास पर क्या कर रहा था।

उद्धव ठाकरे और परिवार की बेहिसाबी संपत्ति के खिलाफ याचिका पर सुनवाई 22 नवंबर तक स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ बेहिसाब संपत्ति जमा करने को लेकर बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. दादर निवासी गौरी भिड़े और उनके पिता अभय भिड़े ने यह याचिका दायर की है. इस पर न्यायमूर्ति एस. गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति डिगे की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। हालांकि, ठाकरे के वकीलों ने फिर हाईकोर्ट में शिकायत की कि गौरी भिड़े द्वारा उनकी याचिका पर उठाई गई आपत्तियों को अभी तक दूर नहीं किया गया है। भिड़े ने दावा किया कि चूंकि कोई वकील उनकी याचिका को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है, वे अदालत के समक्ष तर्क के लिए खड़े हुए हैं। लेकिन उनके लिए हलफनामे पर यह पेश करना जरूरी है कि वे खुद बहस करने में सक्षम हैं, याचिका के पीछे उनका कोई स्वार्थ नहीं है और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामले नहीं है और हलफनामे पर मामलों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, उन्होंने इन चीजों को पूरा किया है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अगली सुनवाई से पहले हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार से मिलने का निर्देश देते हुए सुनवाई 22 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। चूंकि ठाकरे की आय और उनकी संपत्ति मेल नहीं खाती, इसलिए इस याचिका की मुख्य मांग सीबीआई और ईडी के माध्यम से मामले की जांच करना है।

समुद्री सुरक्षा के प्रति बेहद गंभीर है भारत, मालाबार युद्धाभ्यास के साथ ही तटरेखा पर अभ्यास ने दहलाया दुश्मनों का दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। । चतुर्भुज सुरक्षा संवाद यानि क्वॉड देशों की नौसेनाओं के बीच समुद्री अभ्यास मालाबार का 26वां संस्करण काफी सफल रहा। जापान के योकोसूका में आयोजित किये गये बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया और अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस युद्धाभ्यास पर चीन की नजर भी बनी हुई थी क्योंकि उसका मानना है कि क्वॉड समूह का गठन ही चीन विरोध के लिए हुआ है।

जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स द्वारा आयोजित इस युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व शिवालिक और कमोर्ता नामक जंगी जहाजों ने किया। इसके अलावा टोही विमान, हेलीकॉप्टर और अन्य पनडुब्बियां भी अभ्यास में भारत की ओर से शामिल हुईं। भारत के दोनों जंगी जहाजों की खासियत की बात करें तो आईएनएस शिवालिक जहां ब्रह्मोस जैसी ताकतवर मिसाइलों से लैस है तो साथ ही यह पानी की गहराई में भी दुश्मनों को खोज निकाल कर उन्हें तबाह करने की क्षमता रखता है। पानी पर 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ने वाले आईएनएस शिवालिक ने मालाबार युद्धाभ्यास के दौरान जिस तरह के हैरतअंगेज कारनामे दिखाये उससे दुश्मन देशों के माथे पर पसीना आना वाजिब है। वहीं अगर आईएनएस कमोर्ता की विशेषताओं पर नजर डालें तो यह जहां एक ओर परमाणु, रासायनिक और जैविक युद्ध लड़ने में सक्षम है वहीं यह दुश्मन के रडार से पूरी तरह बचने में भी माहिर है। 6500 किमी की रेंज वाला आईएनएस कमोर्ता का 90 फीसदी हिस्सा भारत में ही बनाया गया है इसलिए यह मेक इन इंडिया की भी बड़ी मिसाल है।

हम आपको यह भी बता दें कि साल 1992 में मालाबार अभ्यास की शुरुआत हुई थी लेकिन उस समय यह भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच ही होता था। साल 2015 में जापान इसका हिस्सा बना और फिर साल 2020 में आस्ट्रेलिया भी इससे जुड़ गया जिससे इस युद्धाभ्यास पर दुनिया भर की नजरें टिकी रहती हैं। इस बार के युद्धाभ्यास में आज के दौर की जटिलताओं से निबटने के कौशल का प्रदर्शन किया गया साथ ही उच्च तकनीकों का उपयोग कर दुश्मनों के दिल को दहलाया गया। इसके अलावा मालाबार युद्धाभ्यास के दौरान चारों देशों के युद्धपोतों के बीच सी-राइडर्स का आदान-प्रदान भी किया गया। युद्धाभ्यास के दौरान चारों नौसेनाओं ने एक दूसरे की परिचालन क्षमता को जाना और समझा और समुद्री चुनौतियों से एक साथ निबटने के प्रयासों का प्रदर्शन किया। साथ ही

इस दौरान इस बात की भी परख की गयी कि युद्ध की स्थिति में मित्र देश कैसे एक दूसरे के युद्धपोतों में ईंधन भर सकते हैं। देखा जाये तो भारत समुद्री सुरक्षा पर काफी ध्यान दे रहा है इसीलिए बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास के अलावा खुद से भी अभ्यास कर रहा है। इस सप्ताह भारत ने अपनी तटरेखा और विशेष आर्थिक क्षेत्र को कवर करते हुए दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया। इस अभ्यास का मकसद किसी भी स्थिति से निपटने में विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों की जांच करना तथा समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना था। हम आपको बता दें कि मुंबई आतंकी हमलों के बाद समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए किये गए विभिन्न उपायों की मंजूरी के लिए इस तरह के अभ्यास के संबंध में 2018 में विचार किया गया था। समुद्री निगरानी का पहला अभ्यास जनवरी 2019 में हुआ था।

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▶ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▶ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▶ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▶ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▶ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▶ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपकी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▶ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▶ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▶ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ठंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं। जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

श्रीलंकाई नौसेना ने कथित समुद्री सीमा उल्लंघन के लिए 14 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, हमले में एक के आंख में लगी चोट

तमिलनाडु के कराइक्कल, पुडुकोट्टई और नागापट्टिनम जिलों के 14 भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने 16 नवंबर की सुबह अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने के लिए हिरासत में लिया। मछुआरे तड़के कोट्टुचेरीमेडु के आर. सेल्वमनी की नाव में सवार होकर समुद्र में गए थे। मछुआरे नेदुनथीवू में आईएमबीएल के पास मछली पकड़ रहे थे, तभी उन्हें श्रीलंकाई नौसेना ने हिरासत में ले लिया। तमिलनाडु तटीय पुलिस के सूत्रों ने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना आईएमबीएल के पास गश्त कर रही थी और उन्होंने 16 नवंबर सुबह समुद्र में गए मछुआरों को हिरासत में ले लिया। जब श्रीलंकाई नौसैनिकों ने उस पर हमला किया तो उसकी आंख में चोट लग गई थी। ये ध्यान देने योग्य बात है कि श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के कई भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था और उनकी महंगी मशीनीकृत नौकाओं को जब्त कर लिया गया था। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा स्थानीय श्रीलंकाई समाचार पत्रों में भारतीय मछुआरों से जब्त की गई मशीनीकृत नौकाओं की बिक्री की घोषणा करने वाले विज्ञापन दिए गए थे। बता दें कि 25 मार्च 2022 में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने लोकसभा में बंदी बनाए गए भारतीय मछुआरों को लेकर किए गए सवाल का जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि श्रीलंका ने तमिलनाडू के मछुआरों को हिरासत में लिया है। सरकार श्रीलंका की सरकार से बात कर रही है। श्रीलंका ने 2020 में 74 मछुआरों को गिरफ्तार किया. 2022 में 96 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया।

नाइजीरियाई नौसेना ने तेल चोरी के आरोप में विदेशी जहाज पकड़ा, चालक दल में 16 भारतीय भी

अबुजा। नाइजीरिया की नौसेना ने अपने जल क्षेत्र में अवैध रूप से संचालन और बिना मंजूरी के कच्चे तेल का निर्यात करने के प्रयास के आरोप में एक विदेशी जहाज को जब्त कर लिया है और 16 भारतीयों सहित 27 विदेशियों को हिरासत में लिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को एसोसिएटेड प्रेस को यह जानकारी दी। नाइजीरियाई नौसेना के प्रवक्ता कमोडोर एडेडोटुन अयो-वॉन के अनुसार, तेल समृद्ध नाइजर डेल्टा क्षेत्र में एक स्थानीय अदालत में दोषारोपण के बाद विदेशियों को अदालत के आदेश पर रखा जा रहा है। अयो-वॉन ने कहा कि कुछ विदेशियों को मंगलवार को 'बिना लाइसेंस या प्राधिकरण के कच्चे तेल के निर्यात का सौदा करने के प्रयास' के लिए आरोपित किया गया था। उनमें 16 भारतीयों के अलावा श्रीलंका और पोलैंड सहित पांच अन्य देशों के नागरिक शामिल है। नाइजीरिया के समुद्री क्षेत्र में अवैध रूप से काम करने के आरोपी विदेशियों को अतीत में गिरफ्तार किया गया है और विश्लेषकों का कहना है कि वे अक्सर स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर काम करते हैं।

वेनेजुएला में आई बाढ़, 1200 से ज्यादा लोग फंसे

– कीचड़ में परिजनों के शव ढूंढ रहे लोग

वेनेजुएला। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में दो महीने की भारी बारिश ने तबाही मचा दी। बारिश के कारण छोटी-छोटी नदियां उफान पर आ गईं जिसके कारण भीषण बाढ़ में बेहद दर्दनाक मंजर देखने को मिला। यहां आई बाढ़ ने 1200 से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया। पहाड़ी बस्तियों को अलग-थलग कर दिया। भारी बारिश की वजह से सड़कें खराब हो गईं। भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग लापता हो गए। बारिश के कारण आई इस तबाही में कई परिवार बिछड़ गए, कई मासूमों की मौत हो गई। वेनेजुएला में आई बाढ़ के कारण कई घर बाढ़ में बह गए। लापता लोगों के परिवार के विभिन्न सदस्य उन्हें ढूंढ रहे हैं। लोग लापता रिश्तेदारों के शव तलाश रहे हैं। बाढ़ स्थलों का मंजर बेहद दर्दनाक है। कई लापता लोग मृत अवस्था में पाए जा रहे हैं। लोग कीचड़ों में सने हुए हैं फिर भी लापता परिजनों को लगातार ढूंढ रहे। बारिश अभी भी रुकने का नाम नहीं ले रही। लगातार 4 से 5 घंटों तक बारिश होती रहती है। सभी नदियां उफान पर हैं। करीब 12 मीटर ऊपर तक कीचड़ का ढेर है। कैरासिओलो नगर पालिका के मेयर ने बताया कि यहां करीब 900 से 1200 लोग प्रभावित हुए हैं। ऊंचे इलाकों में कोई नहीं पहुंच पा रहा है। लोग पैदल भी नहीं जा सकते क्योंकि नदी पहाड़ों की ओर बह रही है। वेनेजुएला के एंडिययन क्षेत्र में एक मां और बेटे की मौत हो गई। काराकास से लगभग 670 किलोमीटर पश्चिम में मेरिडा राज्य के कैरीआसिओलो नगर पालिका में भी भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन हुआ है। यहां भी कई परिवार प्रभावित हुए हैं। कई लोगों की मौत हुई है।

आस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री सहित 6 हजार लोग जेल से रिहा

नाएप्यीडॉ । म्यांमार के सैन्य नेताओं ने आस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री समेत 6,000 अन्य लोगों को माफी के तहत जेल से रिहा कर दिया है, जिसमें चार विदेशी और 11 मशहूर हस्तियां थीं। इस लिस्ट में लोकतंत्र आइकन आंग सान सू की के पूर्व सलाहकार सीन टर्नेल भी शामिल हैं। टर्नेल पर राज्य गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। वहीं एक पूर्व ब्रिटिश दूत विक्की बोमन और एक जापानी फिल्म निर्माता टोरू कुबोता भी रिहा किए गए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसा बोमन पर आप्रवासन उल्लंघन और कुबोटा पर राजद्रोह और संचार कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। बोमन को उनके पति, प्रमुख बर्मी कलाकार हेटिन लिन के साथ कैद कर लिया गया था। 1 फरवरी, 2021 को सुबह के छापे में आंग सान सू की सहित नागरिक नेताओं को गिरफ्तार करके पिछले साल सैन्य तख्तापलट के बाद से म्यांमार राजनीतिक उथल-पुथल में है। एक स्थानीय अखबार ने सैन्य परिषद का हवाला देते हुए कहा कि म्यांमार राष्ट्रीय दिवस के वजह से क्षमा प्रदान की गई। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय दिवस पर सैन्य परिषद ने घोषणा की कि लगभग 6,000 कैदियों को रिहा कर दिया गया है। उनमें से चार विदेशी और 11 मशहूर हस्तियां थीं।

चीनी जासूस को अमेरिका में सुनाई 20 साल की सजा

– पिछले साल तक आरोपी ने कई अमेरिकी विमानन और एयरोस्पेस कंपनियों से व्यापार रहस्य चुराने की साजिश रची थी

वॉशिंगटन । अमेरिका के सिनसिनाटी में एक अमेरिकी संघीय अदालत ने एक चीनी जासूस को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। न्याय विभाग के अनुसार आरोप है कि पिछले साल तक उसने कई अमेरिकी विमानन और एयरोस्पेस कंपनियों से व्यापार रहस्य चुराने की साजिश रची थी। एक रिपोर्ट के अनुसार 42 वर्षीय जू यंजुन को 2018 में बेल्जियम में संघीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच के बाद हिरासत में लिया गया था। यू को पिछले साल नवंबर 2021 में एक संघीय जूरी द्वारा साजिश रचने और आर्थिक जासूसी और व्यापार रहस्य चोरी करने का प्रयास करने का दोषी ठहराया गया था। अभियोजकों ने इसी तरह की कार्रवाइयों के खिलाफ निवारक के रूप में कार्य करने के लिए 25 साल की सजा मांगी थी, लेकिन जू के वकीलों ने पहले के अदालती दाखिलों में कहा था कि यह अधिक है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि आज की सजा उन अपराधों की गंभीरता और चीनी सरकार, या किसी विदेशी शक्ति द्वारा हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के प्रयासों की जांच और मुकदमा चलाने के लिए न्याय विभाग के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है। साल 2013 और 2018 के बीच जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी की इकाई जीई एविएशन सहित कई अमेरिकी विमानन और एयरोस्पेस कंपनियों को निशाना बनाने के लिए उपनाम और फंट कंपनियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। वाशिंगटन में चीन के दूतावास ने सजा पर कोई जवाब नहीं दिया। पिछले साल, चीन के विदेश मंत्रालय ने जू के खिलाफ आरोपों को मनगढ़ंत करार दिया था.अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि चीनी सरकार अमेरिकी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा दीर्घकालिक खतरा है और अमेरिकी व्यवसायों और शोधकर्ताओं से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी चोरी करने के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। संघीय जांच ब्यूरो के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा है कि उनकी एजेंसी दिन में लगभग दो बार चीन से संबंधित अपराध का मामला खोलती है।

पेरिस के एक डिपार्टमेंटल स्टोर में बिक्री के लिए रखा हुआ एक बड़ा सा क्रिसकस ट्री हालांकि सरकार ने देश में उर्जा संकट को देखते हुए बिजली बचाने के संकेत दिये हैं।

रिपब्लिकन पार्टी को सदन में मिला बहुमत

– जो बाइडेन की बढेगी मुश्किलें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन को सदन में बहुमत हासिल हो गया है। इससे वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन की मुश्किलें बढने वाली है। रिपब्लिकन पार्टी ने सदन को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक 218 सीटों पर जीत हासिल की। यह सीट भविष्यवाणी वाली सीट से कम है। बता दें कि जीओपी नेताओं के लिए कई चुनौतियां पेश करेगा और शासन करने में कई मुश्किलें भी खड़ी करेगा। इस जीत से राष्ट्रपति जो बाइडेन की भी मुसीबतें बढ़ गई हैं, क्योंकि रिपब्लिकन प्रमुख समितियों पर नियंत्रण रखेंगे, जिससे उनके परिवार और प्रशासन की जांच शुरू करने में आसानी मिलेगी।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव दिवस के एक हफ्ते से अधिक समय बाद भी वोटों की गिनती जारी है। अभी तक स्पष्ट रूप से ये नहीं कह सकते कि बहुमत का आकड़ा किसने पार किया, इसे फाइनल होने में कई और दिन या हफ्ते लग सकते हैं। फिलहाल तो रिपब्लिकन ने डेमोक्रेटिक नियंत्रण से सदन को पलटने के लिए आवश्यक 218 सीटों को हासिल किया है।रिपब्लिकन ने मध्यावधि चुनाव अभियानों के दौरान मतदाताओं को दो मुख्य मुद्दों द्वारा विपरीत दिशाओं में खींचे गए थे। पहला महंगाई और दूसरा गर्भपात। पार्टी ने उच्च मुद्रास्फीति दर से उदारवादियों को निशाने पर लिया। मतदाताओं के मन से बाइडेन की लोकप्रियता भी घटने लगी थी, जब मासिक किराना, गैसोलीन और किराए के बिलों में उन्होंने तेज वृद्धि को देखना शुरू किया।

बता दें कि साल 2001 में पार्टी के पास 221-212, दो निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ सिर्फ नौ सीटों का बहुमत था। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में 218 सीटें रिपब्लिकन की बड़ी जीत की भविष्यवाणी से बहुत कम है।रिपोर्ट के अनुसार, वहीं बाइडेन की पार्टी डेमोक्रेटिक द्वारा वर्जीनिया से मिनेसोटा और कान्सास तक उपनगरीय जिलों पर कब्जा कर लिया गया है, जिससे जीओपी नेता केविन मैक्कार्थी के स्पीकर बनने प्लान मुश्किल में पड़ सकता है, क्योंकि कंजरवेटिव सदस्यों ने उन्हें समर्थन करने को लेकर कई सवाल किए हैं। यह रिपब्लिकन का 21 वीं सदी में बहुमत का सबसे कम आकड़ा है।

अनजाने में उच्चतम न्यायालय के आदेश का उल्लंघन हुआ : इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि इस साल मई में अपनी पार्टी के लॉन्ग मार्च को उच्च सुरक्षा वाले रेड जोन से सटे इस्लामाबाद के डी-चौक क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के न्यायालय के आदेश का उनसे अनजाने में उल्लंघन हुआ। शीर्ष अदालत ने 25 मई के अपने आदेश में खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को अपना आजादी मार्चइस्लामाबाद में पेशावर मोड़ के निकट एच-9 और जी-9 क्षेत्रों के बीचआयोजित करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए थे।

हालांकि, खान और प्रदर्शनकारी डी-चौक की ओर मुड़ गए थे, जिससे सरकार को राजधानी के रेड जोन की सुरक्षा के लिए सेना बुलानी पड़ी थी। खान ने अपने वकील सलमान अकरम राजा के माध्यम से अदालत की अवमानना मामले में अपना जवाब दाखिल किया, जिसमें कहा गया है कि उन्हें 25 मई के शीर्ष अदालत के आदेश के बारे में सूचित नहीं किया गया था।

पीटीआई के प्रमुख ने कहा कि जैमर लगे हुए थे, इसलिए संचार में गड़बड़ी के कारण उन्हें अदालत के सटीक निर्देशों से अवगत नहीं कराया गया। खान (70) ने अदालत से कहा, 'अनजाने में सीमा पार करने के लिए खेद है'।

ब्रिटेन-भारत की नयी वीजा नीति का उद्योग जगत, छात्र समूहों ने स्वागत किया

लंदन (एजेंसी)। लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा बुधवार को वीजा के लिए शुरू की गई 'न्यू यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स' योजना का ब्रिटेन में उद्योग और छात्र समूहों द्वारा बड़े कदम के रूप में स्वागत किया गया है। यह योजना अगले साल की शुरुआत से चालू हो जाएगी और 18 से 30 वर्ष की आयु के भारतीय छात्रों और पेशेवरों को 24 महीने के लिए ब्रिटेन में रहने और काम करने को लेकर सालाना 3,000 वीजा की पेशकश की जाएगी।

ब्रिटिश नागरिकों के लिए भी भारत में इसी तरह की पेशकश होगी। लंदन के लॉर्ड मेयर ने बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर इस संबंध में हुई घोषणा का स्वागत किया और अन्य क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने का आह्वान किया। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने नयी योजना को दोनों देशों के युवा पेशेवरों के लिए ''बड़ा अवसर'' करार दिया और पिछले साल यूके-इंडिया माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप (एमएमपी) की मजबूती का संकेत दिया। ब्रिटेन में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए सुगम अभियान की वकालत करने वाला संगठन नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड अलुमनाई यूनियन (एनआईएसएयू) यूके ने भी इस घोषणा का स्वागत किया।

उत्तर कोरिया ने समुद्र की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जापान की सुरक्षा का उठा मुद्दा

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को अपने पूर्वी समुद्री तट की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि उत्तर कोरिया ने अमेरिका द्वारा क्षेत्र में अपने सहयोगियों-दक्षिण कोरिया और जापान की सुरक्षा को लेकर दृढ़ प्रतिबद्धता जताने के जवाब में ''कड़ी'' सैन्य कार्रवाई शुरू करने की धमकी देने के कुछ घंटों बाद यह कदम उठाया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि उन्हें उत्तर कोरिया के एक और मिसाइल का परीक्षण करने की जानकारी मिली है।

हालांकि, उन्होंने मिसाइल ने कितनी दूरी तय की और वह कहां जाकर गिरी इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। इससे पहले, उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन ह्यू ने बृहस्पतिवार को चेताया था कि प्योंगयांग के मिसाइल प्रक्षेपणों को लेकर अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान का हालिया शिखर सम्मेलन कोरियाई प्रायद्वीप में व्याप्त तनाव को ''अधिक अप्रत्याशित'' बना देगा। चो का बयान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के उनके दक्षिण कोरियाई और जापानी समकक्षों के साथ हाल ही में किए गिए त्रिपक्षीय सम्मेलन पर उत्तर कोरिया की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया थी।

सम्मेलन के बाद तीनों नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए उत्तर कोरिया के हालिया मिसाइल परीक्षणों की कड़ी निंदा की थी और प्रतिरोध क्षमता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई थी। बयान में बाइडन ने परमाणु हथियारों सहित अन्य सभी सैन्य उपायों के जरिये दक्षिण कोरिया और जापान की रक्षा करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता को दोहराया था।

चो ने कहा, '' अमेरिका अपने सहयोगियों को जितने मदद की पेशकश करेगा और वे कोरियाई प्रायद्वीप में जितनी अधिक उकसावे वाली सैन्य गतिविधियां संचालित करेंगे, उत्तर कोरिया की जवाबी कार्रवाई उतनी ही कड़ी होगी।'' उन्होंने चेताया, '' यह अमेरिका और उसके इशारे पर चलने वाली ताकतों के लिए अधिक गंभीर, यथार्थवादी और अपरिहार्य खतरा पैदा करेगा। '' चो ने यह नहीं बताया कि उत्तर कोरिया क्या कदम उठा सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि '' अमेरिका अच्छी तरह से जानता होगा कि वह ऐसा दांव लगा रहा है, जिसके लिए उसे निश्चित रूप से पछताना पड़ेगा।

भारत व अन्य देशों ने अफगानिस्तान की सरजमीं से आतंकवाद खत्म करने का आह्वान किया

नयी दिल्ली। भारत और कई अन्य देशों ने बुधवार को काबुल में ''सच्चे मायनों में समावेशी'' सरकार बनाने तथा अफगानिस्तान की सरजमीं से आतंकवाद खत्म करने का आह्वान किया। उन्होंने अफगानिस्तान की स्थिति पर मॉस्को प्रारूप के तहत विचार विमर्श के दौरान यह टिप्पणी की। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वार्ता के मॉस्को प्रारूप के तहत हुई चौथी बैठक में रूस, भारत, चीन, पाकिस्तान, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बैठक में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान की संपत्ति की कुर्की को पूरी तरह से हटाने की मांग की। रूसी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार कतर, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और तुर्किये के प्रतिनिधि भी अतिथि के तौर पर बैठक में शामिल हुए।

भारत के साथ व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध, लेकिन... जी20 समिट में ऋषि सुनक ने बताई अपनी शर्त

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ऋषि सनक ने कहा कि वह भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाली में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर बोलते हुए सुनक ने कहा, 'हम भारत के साथ व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन इसके लिए थोड़ा समय चाहते हैं, जिससे डील को ठीक तरह से किया जाए। ऋषि सुनक ने कहा कि उनका एक ही नजरिया है कि जल्दबाजी के चक्कर में गुणवत्ता की कुर्बानी नहीं दी जा सकती है। हमें इन चीजों को ठीक करने की जरुरत है। सुनक ने बाली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। पिछले महीने भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश पीएम के पद संभालने के बाद यह उनकी पहली बैठक थी। सुनक ने कहा, ''हमारी सुरक्षा और समृद्धि के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र गतिशील और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से भरा हुआ है और अगले दशक में इस क्षेत्र में क्या होता है, इसके आधार पर इसे परिभाषित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं भारत के साथ हमारे मजबूत सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों के महत्व के बारे में जानता हूं।'' सुनक ने कहा, ''मुझे खुशी है कि भारत के और भी अधिक मेधावी युवाओं को अब ब्रिटेन में जीवन का वह सब अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो हमारी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को समृद्ध बनाने के लिए मददगार साबित होगा।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री सुनक को पद संभालने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी की स्थिति और भविष्य के संबंधों के लिए रोडमैप 2030 पर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने जी20 और राष्ट्रमंडल सहित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों में एक साथ काम करने के महत्व की सराहना की। 2021-22 में भारत और यूके के बीच कुल व्यापार 17.5 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने बाली शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में भारत को जी20 अध्यक्षता सौंपी। भारत 1 दिसंबर को आधिकारिक रूप से जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।

धरती पर मौजूद सबसे बड़ा बर्फ का पहाड़ खत्म होने की कगार पर, नासा का खुलासा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटलाइट तस्वीरों के आधार पर बड़ा खुलासा किया है कि धरती पर मौजूद सबसे बड़ा बर्फ का पहाड़ खत्म होने वाला है। अंटार्कटिका पर मौजूद ए-76ए एक समय में बर्फ के सबसे बड़े पहाड़ों में से एक का आखिरी बचा हुआ हिस्सा है। यह जल्द ही खत्म होने वाला है। अमेरिकी नेशनल आइस सेंटर के मुताबिक यह आइसबर्ग 135 किमी लंबा है और 26 किमी चौड़ा है। यह लंदन के कुल आकार का लगभग दोगुना है।

यह रोडे आइलैंड के आकार के पहाड़ ए-76 का सबसे बड़ा हिस्सा है। यह पहले सबसे बड़ा आइसबर्ग माना जाता था। यह हिस्सा अंटार्कटिका के रोन्ने आइस शेल्फ के पश्चिमी हिस्से से मई 2021 में टूटा था। इसके बाद यह तीन भागों में बंट गया था। ये थे, 76ए, 76बी, और 76सी है। आइसबर्ग संख्या 76 ए इन टुकड़ों में सबसे बड़ा था। यह बर्फ का विशाल टुकड़ा पिछले एक साल से धीरे-धीरे अंटार्कटिका के पास तैर रहा था। हालांकि अब इसके पिघलने की दर काफी बढ़ी है, और यह अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। ए-76ए की तस्वीर को गत 31 अक्टूबर को नासा के टेरा सैटलाइट ने खींची थी। यह उस समय प्रशांत और अटलांटिक महासागर को जोड़ने वाले ड्रेक पैसेज के मुहाने पर स्थित था। यह आइसबर्ग अभी इस समय एलीफैंट द्वीप और साउथ ओर्कने द्वीप समूह के पास दिखाई दे रहा है।

पांड्या की कप्तानी में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम , न्यूजीलैंड से पहला टी20 आज

वेलिंगटन (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार को यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच जीतकर एक नई शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को हाल में एशिया कप और टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा हैं जिससे टीम का मनोबल कमजोर हुआ है। ऐसे में युवा भारतीय टीम का लक्ष्य जीत के साथ ही टीम में उत्साह भरना रहेगा। भारतीय टीम को इस सीरीज में तीन मैच खेलने हैं। टीम के लिए सकारात्मक बात यह है कि उसके पास युवा खिलाड़ी हैं जो अपने को साबित करना चाहेंगे। इससे टीम एक बार फिर जीत की राह पर लौटना चाहेगी।

इसके लिए हार्दिक कौर उनकी टीम का लक्ष्य आक्रामक रुख अपना रहेगा।

अगला टी20 विश्व कप अभी दो साल दूर है और ऐसे में भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास अभी लय हासिल करने का अच्छा अवसर है।

अगले टी20 विश्व कप में टीम के संभावित कप्तान हार्दिक पंड्या नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई कर रहे हैं। वहीं कार्यवाहक मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने भी संकेत दिया है कि आधुनिक खेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रबंधन सिर्फ टी20 विशेषज्ञों को ही शामिल करना चाहता है उन्होंने इसके साथ ही बिना किसी डर के खेलने की जरुरत पर बल दिया है।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में शानदार फॉर्म में थे पर पावरप्ले में रोहित और लोकेश राहुल की कमजोर बल्लेबाजी के कारण भारतीय टीम बड़े स्कोर नहीं बना पायी। ऐसे में इस तरह की संभावना है कि ये तीनों अगले टी20 विश्वकप में नहीं खेलेंगे। इसलिए इस सीरीज में खेल रहे युवाओं पर प्रबंधन की नजरें रहेंगी। इस पहले मैच में इशान किशन और शुभमन गिल पारी सकते हैं हालांकि प्रबंधन शीर्ष क्रम में ऋषभ पंत को भी अवसर दे सकता है।

भारत न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम उतार रहा है पर इसके बाद भी टीम के खिलाड़ियों के पास पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। चार साल पहले न्यूजीलैंड में हुए अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले शुभमन यहां टी20 प्रारूप में पदार्पण करेंगे। वहीं पिछले एक साल में किशन भी नियमित तौर पर शीर्ष क्रम में खेलते रहे हैं। इस श्रृंखला में उनके पास सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह पक्की करने का अवसर रहेगा। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा जा सकता है। ऑलराउंडर

वाशिंगटन सुंदर भी इस सीरीज से टीम में वापसी करेंगे और वह भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। टी20 विश्वकप में अनुभवी स्पिनर आर अशिवन नाकाम रहे थे। ऐसे में एक बार फिर न्यूजीलैंड के होने वाली श्रृंखला में कलाई के स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को अवसर मिल रहा है।

भारतीय टीम ने इस सीरीज में एक बार फिर तेज गेंदबाज इसके लिए उमरान मलिक को अवसर दिया है। उमरान ने आईपीएल में अपनी रफ्तार से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद आयरलैंड और इंग्लैंड के अपने पहले दौरे पर उमरान को काफी सफलता नहीं मिली जिससे वह टीम से बाहर हो गये थे। भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह के नई गेंद साझा करने की उम्मीद है। वहीं विश्व कप के दौरान बेंच पर बैठे रहे हर्षल पटेल और

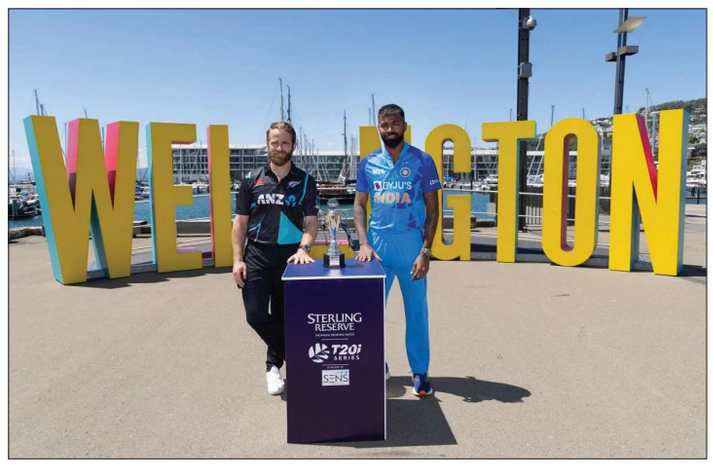

मोहम्मद सिराज को भी इस सीरीज में अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन की टीम को भी विश्वकप में हार का समना करना पड़ा था। ऐसे में उसकी हालत भी भारतीय टीम की तरह ही है। मेजबान टीम भी घरेलू मैदान और दर्शकों के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। टीम के कप्तान विलियमसन और सभी खिलाड़ी अपना खोया फार्म भी हासिल करना चाहेंगे। मेजबान टीम अनुभवी ट्रेंट बोल्ट की गैरमौजूदगी में अन्य तेज गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल भी इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। ऐसे में पारी की शुरुआत डेवोन कॉनवे और फिन एलेन करेंगे।

नोवाक जोकोविच के लिए बड़ी खुशखबरी, ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले वीजा प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैनबरा ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के देश में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है जिससे उनका ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने का रास्ता साफ हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, आव्रजन मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने गुरुवार को पुष्टि की कि जोकोविच को देश में प्रवेश करने के लिए अस्थायी वीजा दिया गया है।

कोविड-19 टीकाकरण के बिना देश में प्रवेश करने का प्रयास करने के लिए ग्रैंड स्लैम की पूर्व संध्या पर मेलबर्न में हिरासत में लिए जाने के लगभग 10 महीने बाद उनका वीजा प्रतिबंध हटाया गया है। कानूनी लड़ाई के बाद जोकोविच को निर्वासित कर दिया गया और स्वचालित रूप से तीन साल के लिए ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि जाइल्स का फैसला उस प्रतिबंध को पलट देगा जो जोकोविच पर लगा था। एक बयान में उन्होंने कहा कि देश में गैर-नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले सख्त सीमा प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'जनवरी 2022 में जोकोविच के वीजा को रद्द करने के बाद से जैव सुरक्षा अधिनियम 2015 के तहत सभी कोविड-19-संबंधित ऑस्ट्रेलियाई सीमा प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने के लिए कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति का प्रमाण प्रदान करने की आवश्यकता भी शामिल है।

एटीपी फाइनल्स में ट्यूरिन में बोलते हुए जोकोविच ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया लौटकर 'बहुत खुश' थे। उन्होंने कहा, 'इस टूर्नामेंट के दौरान भी मुझे इससे बेहतर खबर नहीं मिल सकती थी। ऑस्ट्रेलियन ओपन मेरा सबसे सफल ग्रैंड स्लैम रहा है। मैंने वहां कुछ बेहतरीन यादें बनाईं।' 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन 16-29 जनवरी तक खेला जाएगा।

शाहिद अफरीदी ने आजम को टी20 की कप्तानी छोड़ने कहा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम के कप्तान बाबर आजम की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें टी20 टीम की कप्तानी छोड़ देनी चाहिये। अफरीदी ने कहा कि शादाब खान, मोहम्मद रिजवान हैं और शान मसूद टी20 प्रारुप में बेहतर कप्तानी कर सकते हैं। वहीं पाक के कुछ अन्य क्रिकेटरों की भी यही राय है। इनका मानना है कि बाबर को टी20 फॉर्मेट में सलामी बल्लेबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि उनका धीमा खेल टीम को परेशानी में डाल देता है। अफरीदी का मानना है कि बाबर को स्वयं इस बारे में फैसला करना चाहिए। बाबर जो भी निर्णय लेते हैं वह उनकी अपनी कप्तानी और टी20 के हवाले से होना चाहिए। मैं समझता हूं कि बाबर को बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। मेरा मानना है कि वह टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में ही टीम की कमान संभालें। अफरीदी ने कहा कि मेरा मानना है कि टी20 प्रारुप में एक कप्तान के तौर पर किसी और को मौका दिया जाना चाहिए।

मैं बाबर का काफी सम्मान करता हूं और एक खिलाड़ी के तौर पर वह मुझे काफी पसंद हैं हालांकि, मैं चाहता हूं कि बाबर पर कम से कम दबाव हो। आजम की कप्तानी में पाकिस्तान को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। एशिया कप और इंग्लैंड की खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में भी पाकिस्तान को शिकस्त का सामना करना पड़ा था। टी20 विश्वकप में वह सात मैचों में केवल 124 रन ही बना पाये।

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया ने दी मात, वॉर्नर और स्मिथ ने खेली तूफानी पारी

एडिलेड (एजेंसी)। अनुभवी डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ की बड़ी अर्धशतकीय पारियों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने डाविड मलान के शतक पर पानी फेरते हुए इंग्लैंड को पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में गुरुवार को यहां छह विकेट से हराया। मलान ने 128 गेंदों पर 134 रन की आकर्षक पारी खेली जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं।

उनको हालांकि दूसरे छोर से मदद नहीं मिली जिसके कारण इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर नौ विकेट पर 287 रन ही बना पाया। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों डेविड वॉर्नर (86), ट्रेविस हेड (69) और स्टीव स्मिथ (नाबाद 80) के अर्धशतकों की मदद से 46.5 ओवर में चार विकेट पर 291 रन बनाकर तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। आरोन फिंच के संन्यास लेने के बाद पैट कमिंस की अगुवाई में पहला वनडे मैच खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को वॉर्नर और हेड ने अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करके मजबूत नींव रखी।

बाद में स्मिथ ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली। वॉर्नर और हेड ने अपनी पारियों में समान 10 चौके और एक छक्का लगाया जबकि स्मिथ की पारी में नौ चौके और एक छक्का शामिल है। इससे पहले इंग्लैंड की पारी मलान के इर्द-गिर्द घूमती रही। उसने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए जिससे वह 300 रन तक पहुंचने में नाकाम रहा। मलान के बाद दूसरा सर्वोच्च स्कोर नौवें नंबर के बल्लेबाज डेविड विली (नाबाद 34) का रहा। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तेज गेंदबाज कमिंस और स्पिनर एडम जंपा ने तीन-तीन विकेट लिए।

पांच साल बाद दिल्ली में होगा टेस्ट मैच

मुम्बई । अब दिल्ली के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर है। दिल्ली में पांच साल के बाद कोई टेस्ट मैच खेला जाएगा। अगले साल ऑस्ट्रेलियाई टीम के फरवरी-मार्च में भारत दौरे पर दिल्ली इस मैच की मेजबानी करेगी। वहीं बाकी तीन टेस्ट मैच अहमदाबाद, धर्मशाला और चेन्नई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम के लिए यह सीरीज बेहद अहम है क्योंकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंतिम 4 मैच इस दौरान खेले जाएंगे। भारतीय टीम को चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पारंपरिक रूप से 4 टेस्ट मैचों की सीरीज होती रही है पर साल 2024 से शुरू होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले भविष्य के दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में इसे पांच मैचों की सीरीज बनाया गया है। बीसीसीआई के अनुसार दिल्ली को टेस्ट मैच की मेजबानी मिलना तय है। इससे पहले दिल्ली में अंतिम बार टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर 2017 में खेला गया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, दिल्ली को 4 टेस्ट मैचों में से दूसरे टेस्ट मैच की मेजबानी मिल सकती है। दौरा एवं कार्यक्रम समिति की बैठक के बाद मैचों का कार्यक्रम सामने आ जाएगा।

पंड्या की नेतृत्व क्षमता अच्छी : लक्ष्मण

वेलिंगटन । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टी20 कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है वह एक शानदार खिलाड़ी हैं जो मैदान पर हमेशा शांत रहते हैं। इस दौरे में कप्तान रोहित शर्मा को और अन्य अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिये जाने के कारण पंड्या को कप्तानी मिली है। पंड्या ने इससे पहले आयरलैंड दौरे पर भी अनुशवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी संभाली थी। पंड्या आईपीएल में अपनी टीम गुजरात टाइटंस को पहली बार में ही जी दिलाकर सबकी नजरों में आये थे। हार्दिक की इसी नेतृत्व क्षमता की लक्ष्मण ने भी सराहना की है। लक्ष्मण ने कहा कि हार्दिक तकनीकी रूप से अच्छे खिलाड़ी हैं और वह मैदान पर शांत रहते हैं। लक्ष्मण ने कहा कि टी20 सीरीज में भारतीय खिलाड़ियों को निडरता से खेलने की जरूरत होगी। गौरतलब है कि राहुल द्रविड़ की अनुपस्थिति में लक्ष्मण इस दौरे पर मुख्य कोच हैं। लक्ष्मण ने कहा, 'हार्दिक पंड्या एक बेहतरीन कप्तान हैं। हमने देखा है कि उन्होंने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए क्या किया है। मैंने आयरलैंड सीरीज में उनके साथ समय बिताया है। वे न केवल तकनीकी रूप से अच्छे खिलाड़ी हैं बल्कि मैदान पर काफी शांत भी रहते हैं जो बहुत अहम है।'

ऋषभ पंत के लिए सबसे अच्छी जगह शीर्ष क्रम है, आगामी टी20 सीरीज से पहले पूर्व क्रिकेटर का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया 18 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। कप्तान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में टीम की कमान हार्दिक पांड्या के हाथों में सौंपी गई है। भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने व्यक्त कहा कि वह शुभमन गिल के साथ विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 इंटरनेशनल मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में देखना चाहेंगे। जाफर ने आगे अपनी प्लेइंग इलेवन के बारे में भी खुलासा किया।

एक वेबसाइट से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मेरे प्लेइंग इलेवन में ऋषभ पंत के साथ शुभमन गिल (ओपनिंग) होंगे, मुझे नहीं पता कि वह नंबर 4 पर बल्लेबाजी करेंगे या नहीं। क्योंकि मेरे पास अय्यर (श्रेयस अय्यर) तीन पर, सूर्यकुमार यादव चार पर, हार्दिक (पांड्या) कप्तान के रूप में पांच पर हैं और इसके साथ ही मुझे नहीं लगता कि पंत

नंबर 6 पर बल्लेबाजी करेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि उसके लिए सबसे अच्छी जगह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करना है।

उन्होंने कहा, दीपक हुड्डा नंबर 6 स्थान पर, वाशिंगटन सुंदर सातवें स्थान पर, हर्षल पटेल आठवें स्थान पर खेलेंगे। नौ नंबर पर आप कुलदीप यादव या युजवेंद्र चहल में से किसी एक को चुन सकते हैं। मैं कुलदीप को तरजीह दूंगा लेकिन आप दोनों में से किसी को भी चुन सकते हैं, सिराज विश्व कप से पहले खेले थे इसलिए वह अगला स्थान ले सकते थे और अर्शदीप सिंह नंबर 11 पर होंगे।

पूर्व क्रिकेटर ने आगे ऋषभ पंत पर पारी की शुरुआत करने पर जोर दिया क्योंकि वह मध्य क्रम को खेलने के बजाय शीर्ष क्रम में आने वाले खतरे को कम कर सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने हमेशा भारत और दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंबर चार और पांच पर बल्लेबाजी की है और कभी-कभी मुझे लगता है कि उनके लिए सबसे अच्छी जगह ओपनिंग होगी। क्योंकि जब वह पारी की शुरुआत में चलते हैं तो ऋषभ पंत खतरनाक होते हैं। एक बार जब उसे शुरुआत मिल जाती है और वह पावरप्ले में 20-30 नॉट आउट हो जाता है, तो वह खतरनाक होता है।'

अन्वेशा गौड़ा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर, भारतीय चुनौती समाप्त

सिडनी। भारत की अन्वेशा गौड़ा को गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। अन्वेशा को मलेशिया की जिन वेई गोह ने सीधे गेम में 21-7, 21-13 से हराया। दिल्ली की 14 साल की अन्वेशा ने इस साल छह जूनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाते हुए चार खिताब जीते हैं। इस साल इबेरड्रोला स्पेनिश जूनियर अंतरराष्ट्रीय, फेरो गेम्स जूनियर अंतरराष्ट्रीय, एफजेड फोर्जा स्टॉकहोम जूनियर और अमोत इस्राइल जूनियर का खिताब जीतने वाली अन्वेशा बुल्गारिया और डेनमार्क में भी जूनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंची। इसी महीने चोट के कारण हाइलो ओपन के पहले दौर के मुकाबले के बीच से हटने वाले भारत के शीर्ष पुरुष खिलाड़ी समीर वर्मा टूर्नामेंट से हट गए हैं। सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर की जोड़ी भी प्रतियोगिता से हट गई जबकि रुतपर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी ली चिया सिन और तेंग चुन सुन की चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ 16-21 14-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप : निशानेबाज को राइफल के साथ विमान में चढ़ने से रोका

नई दिल्ली। निशानेबाज दिशांत डे को गुरुवार को एक बड़ी एयरलाइन ने परेशान किया जिसने उन्हें राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए तिरुवनंतपुरम जाते समय अपने साथ राइफल ले जाने की अनुमति नहीं दी। राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं के तहत राइफल स्पर्धाओं का आयोजन 20 नवंबर से 9 दिसंबर तक तिरुवनंतपुरम के वट्टियूरकावु निशानेबाजी रेंज में होगा। दिशांत ने इंडिगो एयरलाइन का टिकट खरीदा था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने ट्वीट किया, 'इंडिगो ने गुवाहाटी हवाई अड्डे पर साफ तौर पर उत्पीड़न किया। ट्वीट में आगे कहा गया, 'दिशांत डे 65वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए उड़ान संख्या 6ई5226 से त्रिवेंद्रम की यात्रा करने की कोशिश कर रहे हैं और अपने साथ एयर राइफल ले जाने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद एयरलाइन अनुमति देने से इनकार कर रही है।' निशानेबाज का समर्थन करते हुए देश में निशानेबाजी की संचालन संस्था ने कहा, 'एक खेल करियर को बचाएं। खिलाड़ी और उसकी मां हवाई अड्डे पर हैं और कोई मदद नहीं मिल रही है।'

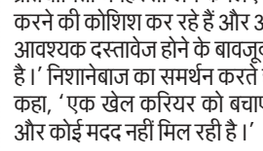

इरफान पठान ने कहा रुख के साथ ही ये बदलाव करे टीम इंडिया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि भारतीय टीम को जीत की लय हासिल करने के लिए कुछ बदलाव करने होंगे। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं पिछले विश्वकप मे में भी भारतीय टीम इसी प्रकार हारी थी। पठान ने कहा कि टीम के पास निडर सलामी बल्लेबाज होने चाहये जो विकेट बचाने की जगह आक्रामक होकर विरोधी बल्लेबाजों की पिटाई कर दें। इस प्रकार के बल्लेबाजों के पास किसी भी गेंदबाजी क्रम को धवस्त करने की क्षमता होनी चाहिये। जिससे कि टीम शुरुआत में तेजी से रन बना सके। भारतीय टीम के बल्लेबाज विश्वकप के पावर प्ले में नाकाम रहे थे। इसके अलावा गेंदबाजी में कलाई के स्पिनर को रखें। यह आक्रामक रुख वाले स्पिनर होने चाहिये जो टीम के लिए विकेट ले सकें। पठान ने साथ ही कहा भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाज तो हैं लेकिन ऐसे नहीं जो विरोधी बल्लेबाजों को शुरुआत में ही बेबस कर दें। हमें ऐसा तेज तेज गेंदबाजी आक्रमण जो विकेट निकाल सके। इसके अलावा कहा कि कप्तान बदलने से परिणाम नहीं बदलेंगे। इसलिए उसमें बदलाव करने की जगह टीम को अपना रवैया बदलना होगा।

अर्शदीप सिंह में बेजोड़ क्षमता पर अकरम से तुलना करने से दबाव में आएगा: जोंटी रोड्स

वेलिंगटन (एजेंसी)। नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार क्रिकेटर जोंटी रोड्स का मानना है कि अर्शदीप सिंह ने क्रिकेटर के रूप में जबर्दस्त प्रगति की है और उनमें बेजोड़ क्षमता है लेकिन महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम के साथ तुलना करने से उस पर दबाव बनेगा। भारत के 23 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने टी20 विश्व कप में भारत के अभियान के दौरान प्रभावित किया जहां भारत को अंततः चैंपियन बने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने में सक्षम अर्शदीप टी20 विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

उन्होंने छह मैच में 10 विकेट चटकाए और इस दौरान 7.80 रन प्रति ओवर की गति से रन दिए। रोड्स ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि स्विंग के सुल्तान महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम से तुलना से वह काफी दबाव में आ जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''अर्शदीप ने निश्चित तौर पर पिछले दो साल में प्रगति की है और अन्य भारतीय तेज गेंदबाजों के साथ भी ऐसा ही है। आप बुमराह को देखिए और उसने इतनी तेजी से प्रगति की और अर्शदीप ने भी ऐसा की किया, वह युवा तेज गेंदबाज है। वह सीखने और आपकी बातें सुनने को तैयार रहता है और कड़ी मेहनत करना है।'' दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ''वह गेंद को स्विंग कराता है और डेथ ओवरों में उसने शानदार गेंदबाजी की है। वह पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करता है, गेंद पर उसका अच्छा नियंत्रण है और वसीम अकरम की तरह अराउंड द विकेट गेंदबाजी प्रभावी तरीके से कर सकता है।'' इंडियन प्रीमियर लीग टीम पंजाब किंग्स के क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में अर्शदीप के साथ काम कर चुके रोड्स का मानना है कि इस युवा तेज गेंदबाज में काफी क्षमता है।

लगातार दो टी20 विश्व कप में निराशा के बाद भारतीय टीम में युवा खिलाड़ियों के सीनियर खिलाड़ियों की जगह लेने की उम्मीद है। यह पूछने पर कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को किन खिलाड़ियों पर निवेश करना चाहिए, रोड्स ने कहा, ''न्यूजीलैंड गई टीम के खिलाड़ी काफी युवा हैं जिन पर बीसीसीआई को निवेश करना चाहिए। इसके अलावा कुछ और शानदार खिलाड़ी मौके मिलने का इंतजार कर रहे हैं।'' शुक्रवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जबकि शुभमन गिल, उमरान मलिक, इशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिलेगा। रोड्स ने कहा कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने का काफी फायदा मिला है। उन्होंने साथ ही टी10 प्रारूप का पक्ष लेते हुए कहा कि यह ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी बहु खेल प्रतियोगिताओं के लिए अच्छा प्रारूप है।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी कोच बने जाफर

मुम्बई । आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर को टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है। वहीं इससे पहले टीम ने ट्रेवर बेलिस को टीम का नया मुख्य कोच और ब्रैड हैडिन को सहायक कोच बनाया था। इसके अलाव चार्ल लैंगवेल्ट को तेज गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं मयंक अग्रवाल की जगह पर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को कप्तान बनाया है। पंजाब किंग्स ने ये बदलाव पिछले सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए किये हैं। आईपीएल 2022 में पंजाब किंग्स 8वीं बार प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी थी। टीम प्रबंधन ने शिखर धवन और जॉनी बेयरस्टो को सलामी बल्लेबाज के तौर पर तैयार किया है। जाफर बांग्लादेश अंडर-19 के भी कोच रहे थे। उन्होंने इसके लिए ओडिशा रणजी टीम का कोच पद छोड़ा था। उन्होंने हाल ही में बांग्लादेश अंडर-19 टीम के साथ पाकिस्तान का दौरा भी किया था। जाफर ने 23 टी20 मैचों में 616 रन बनाए थे। उन्होंने अपना आखिरी टी 20 मार्च 2012 में खेला था।

रायपुर : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

रायपुर: मुख्यमंत्री भूपेश ने अंबागढ़ चौकी स्थित सर्किट हाउस में गुरुवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने हाट बाजार की जानकारी ली, मौसमी बीमारी का उपचार करने व ग्रामीण क्षेत्रों में शुगर के मरीज बढ़ने पर न्ट्रीनिंग करने के निर्देश दिए।

पेयजल को लेकर आर्सेनिक की समस्या पर भी चर्चा की। पानी में आयरन मिश्रण होने की जानकारी पर उसके समुचित उपचार हेतु आयरन रिमूवर मशीन लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सुपोषण के मामले में व्यवहार परिवर्तन बहुत जरूरी है। काउंसिलिंग करें, सुपोषण वाटिकाएं बनाएं।

डायबिटीज की बीमारी के केस हाट बाजार में ज्यादा आ रहे हैं। यह लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारी अधिक है। गांव में तो लोग मेहनतकश होते हैं। इसके बारे में देखिए, पड़ताल कीजिये।

भूपेश ने कहा कि मानपुर एसडीएम पर नाराजगी जाहिर करते हुए उनसे पूछा गया कि कितने हॉस्टल का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि दो, इस पर कहा गया कि हॉस्टल का इशु तो सबसे सेंसिटिव होता है, इसकी फ्रीक्वेंसी बढ़े। डीएफओ से पूछा गया कि कल भेंट-मुलाकात में संग्राहकों ने शिकायत की। डीएफओ ने बताया कि दो मामलों में पूर्ण भुगतान हुआ है इसकी जांच की गई। शेष दो मामलों में फड़मुशी की गलती पाई गई। इसे गंभीर शिकायत बताते हुए कहा गया कि इसमें पावती वाला कुछ सिस्टम करें और फीडबैक लें।

मुख्यमंत्री भूपेश ने हाथियों के मूवमेंट पर जानकारी ली। एसडीओ फारेस्ट ने बताया कि महाराष्ट्र से हाथी आ रहे हैं। एक ही झुंड है जिसमें १३ हाथी हैं। पहले नहीं थे अब सक्रिय हो गए हैं। हाथियों के मूवमेंट पर बारीक नजर रखने के निर्देश। अभी लोगों को इस बारे में जागरूक करें।जहां हाथी का प्रकोप अधिक है। वहां ट्रेकिंग ग्रुप बनाए गए हैं।ऐसा ही यहां भी हो।

छत्तीसगढ़ी युवाओं ने गुजराती वेशभूषा धारण कर दिया एक भारत का संदेश

बिलासपुर/रायपुर: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) रायपुर द्वारा गुरुघासीदास केन्द्रीय विश्वविदयालय (जीजीयू) में आजादी का अमृत महोत्सव, एक भारत श्रेष्ठ भारत" त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के दूसरे दिन गुरुवार को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई।

भारत सरकार की एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत छत्तीसगढ़ का सहभागी राज्य गुजरात है। चटख और रंगीन परिधान धारण किए युवा मंच पर आए और उस वेशभूषा के बारे में बताना शुरू किया तो हॉल तालियों से गूंज उठा। किसी ने गुजरात काठियावाड़ में पहने जाने वाले ड्रेस, किसी ने कच्छ का रण की वेशभूषा पर प्रकाश डाला। कई प्रतिभागियों ने तो गुजराती भाषा में ही अपनी वेशभूषा की विशेषता के बारे में बताया।

गुजराती व्यंजन प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों का उत्साह देखने लायक था। प्रतिभागियों ने गुजरात के प्रसिद्ध व्यंजन खांडवी, उंधियू, ढोकला, फाफाड़ा-जलेबी, दाबेली, गाठिया समेत कई अन्य व्यंजन तैयार कर प्रदर्शित किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अमिता व राजभाषा अधिकारी अखिलेश तिवारी ने प्रतिभागियों से व्यंजन बनाने की विधि व उसकी विशेषता के बारे में जानकारी ली। रंगोली प्रतियोगिता के प्रतिभागियों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत केंद्रित रंगोली बना कर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

इस संबंध में केंद्रीय संचार ब्यूरो के कार्यालय प्रमुख शैलेष फाये ने जानकारी दी कि, गुरुघासीदास केन्द्रीय विश्वविदयालय में देश के ६ विभिन्न राज्यों के एनएसएस वॉलेंटियर्स पूर्व गणतंत्र दिवस प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। जीजीयू के विभिन्न विभागों में १० हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उनमें जागरूकता प्रसार के लिए त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी के दूसरे दिन गुजरात पर केंद्रित फैंसी ड्रेस, गुजराती व्यंजन व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के तीसरे दिन पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के दूसरे दिन भारतीय डाक द्वारा कार्यक्रम स्थल पर आधार पंजीयन व अपडेशन की सुविधा प्रदान की गई। प्रदर्शनी में आए लोगों को सुकन्या समृद्धि योजना समेत भारतीय डाक की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। मुख्य डाक घर की जनसंपर्क अधिकारी सुनीता द्विवेदी ने लोगों को डाक की सुविधाओं से अवगत कराया।

ग्रामीण तकनीकी विभाग ने लगाया स्टॉल

प्रदर्शनी स्थल पर जीजीयू के ग्रामीण तकनीकी विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. पुष्पराज सिंह के सहयोग से स्टॉल सह विक्रय केंद्र की स्थापना की गई है। इस स्टॉल पर छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हस्तनिर्मित सामग्रियां प्रदर्शित की गई है। जिनका विक्रय भी किया जा रहा है। इससे विक्रय से होने वाली आय से विभाग के विद्यार्थियों को लाभ प्रदान किया जाएगा।

आजादी का अमृत महोत्सव, एक भारत श्रेष्ठ भारत पर केंद्रित त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का कल समापन होगा। समापन से पूर्व लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी पर केंद्रित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा। छत्तीसगढ़ व सहभागी राज्य गुजरात के लोक नृत्य की प्रस्तुति दी जा सकेगी। रंगोली, निबंध, फैंसी ड्रेस, गुजराती व्यंजन व प्रश्नमंच के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

भाजपा में कोई भी ऐसा चेहरा नहीं जिसे आगे करने का साहस दिखाये : कांग्रेस

रायपुर: डॉ. रमन सिंह ने बयान दिया है कि आगामी चुनाव में भाजपा किसी चेहरे को आगे नहीं करेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि डॉ. रमन सिंह ने फिर से यह बयान देकर मान लिया कि भाजपा के पास कोई भी विश्वसनीय चेहरा नहीं है, जिसको आगे करके वह २०२३ के विधानसभा चुनाव में जायेगी। यह इस बात की भी स्वीकारोक्ति है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कद का भाजपा के पास कोई नेता नहीं बचा है। इसलिये भाजपा किसी भी के चेहरे को आगे करने के लिये परहेज कर रही है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ के भाजपा के नेताओं पर से जनता का भरोसा उठ ही गया था, अब उनके आलाकमान को भी भरोसा नहीं है। स्वयं डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व को जनता २०१८ में नकार दिया था। डॉ. रमन मंत्रिमंडल के सारे नेताओं पर भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी के दाग लगे हैं। यही कारण है कि किसी को चेहरा बनाने का साहस नहीं दिखा पा रही है। पहले डॉ. रमन ने स्वीकार किया था कि वे भी भाजपा का छोटा-मोटा चेहरा है। उन्होंने आज माना कि उनकी पार्टी में कोई भी चेहरा नहीं है। भाजपा मजबूरी में मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। डॉ. रमन सिंह का यह बयान २०२३ के चुनाव के पहले ही भाजपा की हार को प्रदर्शित करता है।

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश की लोकप्रियता उनकी सरकार की योजनाओं के सामने छत्तीसगढ़ में भाजपा के सारे नेता बौने साबित हो गये हैं। भाजपा नेतृत्व को समझ ही नहीं आ रहा है, किसे आगे करें, इसीलिये भाजपा ने साढ़े तीन साल में चार अध्यक्ष बदल लिया, नेता प्रतिपक्ष बदल लिया। २०१८ में धरमलाल कौशिक के अध्यक्ष रहते भाजपा विधानसभा चुनाव हार गयी। उसके बाद विक्रम उसेंडी अध्यक्ष बनाये गये उनके नेतृत्व में चित्रकोट, दंतेवाड़ा उपचुनाव, निकाय चुनाव हारने के बाद नया अध्यक्ष विष्णुदेव साय को बनाया गया, उनके नेतृत्व को भी जनता ने नकार दिया। दो उपचुनाव मारवाही, खैरागढ़ पंचायत और नगरीय निकाय के दूसरे चरण में भाजपा बुरी तरह हार गयी।

डा. सीवी आनंद बोस बने बंगाल के नए राज्यपाल, ५ माह बाद बंगाल को मिला स्थायी राज्यपाल

कोलकाता, राज्य ब्यूरो : बंगाल में अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव से पहले आखिरकार नए राज्यपाल की नियुक्ति हो गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को डा सीवी आनंद बोस को बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से देर शाम एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई। जुलाई में जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित होने के बाद मणिपुर के राज्यपाल एल गणेशन बंगाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी देख रहे थे। १७ जुलाई को धनखड़ के राज्यपाल पद से इस्तीफे के करीब पांच माह बाद बंगाल को स्थायी राज्यपाल मिला है।

राष्ट्रपति भवन की तरफ से जारी पत्र में बताया गया है कि आनंद बोस तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। दो जनवरी १९५१ को केरल के कोट्टयम में जन्मे बोस १९७७ बैच के केरल कैडर के रिटायर्ड आइएएस अधिकारी रहे हैं।

जोगी जन अधिकार यात्रा से डरी कांग्रेस सरकार, जोगी कांग्रेस को रोकने की तैयारी : अमित जोगी

रायपुर: छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी की पुत्र वधू व जोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी की धर्मपत्नी ऋचा जोगी के विरुद्ध एफआईआर होने पर भूपेश सरकार पर हमला बोलते हुए अमित जोगी ने गुरुवार को बयान जारी कर ऋचा जोगी के विरुद्ध ईर्ष्या-द्वेष, अहंकार, बदले की राजनीति करार दिया। उन्होंने कहा भूपेश सरकार ने पहले मेरे विरुद्ध झूठा एफआईआर किया अब हमारी पार्टी के द्वारा जोगी जन अधिकार यात्रा की घोषणा करने के बाद डरकर अब मेरी पत्नी के विरुद्ध एक झूठा एफआईआर दर्ज किया गया है।

उन्होंने कहा कि इसके पहले भी मेरे पिता के मृत्यु के पश्चात मरवाही उपचुनाव में नामांकन के अंतिम दिन मेरी जाति प्रमाण पत्र को रद्द कर मुझे चुनावी मैदान से बाहर किया गया और अब मेरी पत्नी को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए साजिश की जा रही है। लेकिन अति का अंत होता है, जोगी जन अधिकार के साथ भूपेश सरकार की अंतिम यात्रा निकलेगी। जोगी कांग्रेस ना झुकेगी ना रुकेगी बल्कि जोगी जन अधिकार घर घर जाकर कांग्रेस सरकार को बेनकाब करेगी।

व्यापार

बरौनी खाद कारखाना से नीम कोटेड ''अपना यूरिया'' का रेल से डिस्पैच शुरू

बेगूसराय: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से बनकर तैयार हुए बिहार के एकलौते खाद कारखाना हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (हर्ल) बरौनी से नीम कोटेड ''अपना यूरिया'' का रेल रैक के माध्यम से डिस्पैच शुरू हो गया है।

हर्ल कारखाना से बिहार सहित अन्य प्रदेशों में रेल मार्ग से भेजने के लिए पूर्व-मध्य रेलवे के गति शक्ति कार्गो टर्मिनल से २१ वैगन वाले पहले मिनी रैक में १२२८ मैट्रिक टन नीम कोटेड अपना यूरिया को बरौनी हर्ल खाद कारखाना के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अशोक बंसल ने हरी झंडी दिखाकर जमुई के लिए रवाना किया।

रेलवे द्वारा कारखाना परिसर में गति शक्ति के लिए बिछाए गए ४.२ किलोमीटर रेलवे ट्रैक से जब पहला रैक रवाना किया गया तो कारखाना कर्मी, यहां उपस्थित रेल कर्मचारी, लोडिंग-अनलोडिंग स्टाफ सहित सभी अधिकारी और कर्मी झूम उठे। पहली बार रेलवे के माध्यम से निकली यह खाद जमुई सहित आसपास के जिलों के किसानों के खेतों में जाकर फसल के साथ-साथ किसानों के चेहरे पर भी हरियाली लाएगा।

इसके साथ ही किसान कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जा रहे कार्यों को धरातलीय रूप देगा। बिहार के इस एकलौते कारखाना में बना नीम कोटेड यूरिया ना सिर्फ खेती की लागत घटाएगा, बल्कि इससे जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी। नीम कोटेड यूरिया बनाने के लिए यूरिया के ऊपर नीम के तेल का लेप कर दिया गया है।

यह लेप नाइट्रीफिकेशन अवरोधी के रूप में काम करता है। नीम लेपित यूरिया धीमी गति से प्रसारित होता है, जिसके कारण फसलों की आवश्यकता के अनुरूप नाइट्रोजन पोषक तत्व की उपलब्धता होती है और फसल उत्पादन में भी वृद्धि होती है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक नीम कोटेड यूरिया, सामान्य यूरिया के अनुपात में पांच से दस प्रतिशत तक कम लगती है, जिससे किसान की लागत घटती है। २०१४ के बाद मोदी सरकार ने सबसे पहले यूरिया की शत-प्रतिशत नीम कोटिंग सुनिश्चित करने और कालाबाजारी रोकने जैसे अहम फैसलों पर काम किया, जिससे किसानों को यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र को आत्मसात कर आत्मनिर्भर बन रहे भारत में कृषि भी आत्मनिर्भर हो रही है। खास करके यूरिया की किल्लत झेल रहे बिहार के किसानों को अब खाद के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सार्वजनिक उपक्रम आईओसी, एनटीपीसी, सीआईएल, एफसीआई एवं एचएफसी के ज्वाइंट वेंचर बेगूसराय के बरौनी हर्ल से नीम कोटेड यूरिया खाद का उत्पादन शुरू हो गया है। ८३८७ करोड़ की लागत से बने नेचुरल गैस आधारित इस कारखाना से ३८५० मैट्रिक टन ''अपना यूरिया'' ब्रांड का नीम कोटेड यूरिया तथा २२ सौ टन अमोनिया का उत्पादन होगा। केंद्र सरकार के विजन के अनुसार यहां से उत्पादन और डिस्पैच शुरू होने से यूरिया की किल्लत झेल रहे किसानों को फायदा होगा।

होम लोन पर टैक्स लाभ की सीमा बढ़ाने से रियल एस्टेट सेक्टर होगा मजबूत, सिंगल विंडो सिस्टम की वकालत

नई दिल्ली: रियल एस्टेट सेक्टर का मानना है कि बजट में होम लोन पर टैक्स छूट की सीमा बढ़ने से उनकी मांग बनी रहेगी। इतना ही नहीं, छोटे और सस्ते मकान बनाने पर बिल्डर्स को भी कम से कम पांच साल के लिए इनकम टैक्स में छूट मिलनी चाहिए।

परियोजनाओं की मंजूरी के लिए सिंगल वडो सिस्टम होना चाहिए और मकान बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर जीएसटी की दर को कम किया जाना चाहिए ताकि मकान खरीदार को कीमत में राहत मिल सके। कोरोना काल के दौरान रियल एस्टेट सेक्टर का काम बिल्कुल ठप रहा। अब फिर से रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी आई है, लेकिन पिछले चार-पांच महीनों से होम लोन ब्याज दर में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू हो गया है जिससे उन्हें अपनी बिक्री प्रभावित होने की आशंका है।

अमेजन में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू, कंपनी ने कर्मचारियों को लिखा पत्र

नई दिल्ली/सैन फ्रांसिस्को:अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने बढ़ती आर्थिक मंदी के बीच अपना खर्च कम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत कंपनी ने नौकरियों में कटौती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे एक दिन पहले अमेजन के हार्डवेयर प्रमुख डेव लिम्प ने कर्मचारियों को पत्र लिखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन में नौकरी की यह कटौती डिवाइस यूनिट पर केंद्रित है, जिसमें वॉयस-असिस्टेंट एलेक्सा और इसके रिटेल व मानव संसाधन डिवीजन भी शामिल हैं। अमेजन कर्मचारियों को लिखे पत्र में हार्डवेयर प्रमुख ने कहा है कि कई दौर की समीक्षा के बाद हमने कुछ टीमों व कार्यक्रमों को पुनर्गठित करने का फैसला किया है, जिससे अब कुछ भूमिकाओं की जरूरत नहीं होगी।

उल्लेखनीय है कि एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्विटर के बाद अमेजन जल्द ही अपने १० हजार कर्मचारियों को निकाल सकती है। ऐसे में छंटनी की संख्या १०,००० के आसपास रहती है, तो यह सबसे बड़ी छंटनी होगी। हालांकि, यह कंपनी के कार्यबल के एक फीसदी से भी कम है, क्योंकि अमेजन वैश्विक स्तर पर १६ लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है।

रिलायंस जियो ४जी नेटवर्क पर डाउनलोड और अपलोड स्पीड में अव्वल: ट्राई

नई दिल्ली निजी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ४जी नेटवर्क पर औसतन डाउनलोड और अपलोड स्पीड के मामले में भी पहले पायदान पर बनी हुई हैं। दूसरे नंबर पर एयरटेल और वोडाफोन आइडिया (वीआई) १४.५ एमबीपीएस गति के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने गुरुवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी है। आंकड़ों के मुताबिक रिलायंस जियो अक्टूबर महीने में २०.३ मेगाबिट्स प्रति सेकंड (एमबीपीएस) की औसत गति से डाउनलोड रफ्तार में शीर्ष पर रही है। इस सूची में जियो के बाद एयरटेल का नंबर है, जिसने अक्टूबर के दौरान १५ एमबीपीएस की डाउनलोड गति दर्ज की। इसके बाद वोडाफोन आइडिया (वीआई) १४.५ एमबीपीएस गति के साथ तीसरे स्थान पर है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र के सी.पी.पी.-३ द्वारा स्थापना के बाद से अब तक का एक दिवसीय बिजली उत्पादन में नया कीर्तिमान स्थापित

राउरकेला: सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के कैप्टिव पावर प्लांट-३ (सी.पी.पी.-३) ने स्थापना के बाद से औसतन एकल-दिवसीय बिजली उत्पादन में नए रिकॉर्ड बनाए हैं। सी.पी.पी.-३ ने १६ नवंबर, २०२२ को ५१.०२ मेगा वाट विद्युत शक्ति का उत्पादन करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। विशेष बात यह है कि यूनिट का पिछला सर्वश्रेष्ठ ५०.३७ मेगावाट २९ मार्च, २०२२ को हासिल किया गया था।

उल्लेखनीय है कि कैप्टिव पावर प्लांट-३ के पावर ब्लोइंग स्टेशन में स्टीम टर्बाइन जेनरेटर, टॉप रिकवरी टर्बाइन जेनरेटर और बैक प्रेशर टर्बाइन जेनरेटर शामिल हैं। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री एस.आर. सूर्यवंशी ने उल्लेखनीय निष्पादन के लिए कर्मीसमूह को बधाई देने के लिए १७ नवंबर को कैप्टिव पावर प्लांट-३ का दौरा किया, टीम की सराहना की और कर्मचारियों को बिजली उत्पादन के उच्च स्तर को और अधि?क बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री सूर्यवंशी ने कहा, "हमारे पास अच्छे निष्पादन को जारी रखने और अधिक दक्षता के साथ महत्वपूर्ण लक्ष्य तक पहुँचने की अद्भुत क्षमता है। आइए आर.एस.पी. को देश का सबसे अच्छा इस्पात संयंत्र बनाने में मदद करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का प्रयत्न करें।ठ

गौरतलब है कि, मुख्य महाप्रबंधक (पावर) श्री बी. सुनील कार्था और महाप्रबंधक एवं प्रभारी (सी.पी.पी.ए३) श्री एस.एल. दास के नेतृत्व में सी.पी.पी.-१ की समर्पित टीम ने इकाई की निष्पादन को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। यूनिट ने वर्ष २०१३-१४ में सी.पी.पी. ए३ की स्थापना के बाद से वर्ष २०२२ में कई बार सर्वश्रेष्ठ मासिक निष्पादन दर्ज किया है।

ये उत्कृष्ट उपलब्धियाँ पहली बार पावर और ब्लोइंग स्टेशन के तीनों टर्बो-ब्लोअर के बड़े ओवरहालिंग के माध्यम से संभव हुईं, जिससे प्रति टर्बो-ब्लोअर प्रति घंटे १२ टन स्टीम की बचत हुई, जिसका स्टीम टर्बाइन जेनरेटर में बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग किया गया था। इसके अलावा, २० एम.वी.ए. टी.आर.टी.जी. जेनरेटर ट्रांसफॉर्मर को २५ एम.वी.ए. ट्रांसफॉर्मर के साथ बदलना, स्टीम टर्बाइन जेनरेटरए२ के कंट्रोल वॉल्व स्पिंडल का सुधार और सटीक समायोजन, टर्बाइनों में उपयोग किए जाने वाले हाइड्रोलिक तेल के गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करना, टर्बो-ब्लोअर और स्टीम टर्बाइन जेनरेटर के स्पष्ट शीतलन जल रसायन विज्ञान के नियंत्रण के लिए पी.बी.एस. के कूलिंग टावरों पर सल्फ्यूरिक एसिड डोजिंग सिस्टम को पुन: चालू करना, जिसके परिणामस्वरूप बढ़ी हुई दक्षता और कम अनुरक्षण आवश्यकताओं ने बेहतर निष्पादन प्राप्त करने में मदद की। सी.डी.सी.पी. बॉयलरों की विश्वसनीयता बढ़ाने, भाप रिसाव को रोकने जैसे संवर्द्धित प्रणाली में सुधार, बायलर लोडिंग और इस तरह उनकी क्षमता का अनुकूलन, एस.टी.जी. और टर्बो-ब्लोअर में कंडेनसर में वैक्यूम बढ़ाना, प्रमुख बिजली संयंत्र उपकरण और संबंधित सहायक की विश्वसनीयता बढ़ाना, बॉयलरों में भाप उत्पादन का युक्तिकरण, अनुकूलन और संतुलन और टर्बाइन जेनरेटर और टर्बो-ब्लोअर में उनका प्रभावी उपयोग जैसे कुछ अन्य प्रमुख पहल यूनिट द्वारा किए गए हैं।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र

Bhubaneswar Office: Plot-493,Sarathi Market Complex, Govinda Prasad,BomikhalBhubaneswar-10